दैनिक

# पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 121 | ग्वालियर, सोमवार, 04 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

### हंदवाड़ा एनकाउंटर में सेना के 5 जवान शहीद

## पीएम मोदी ने कहा- उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हंदवाड़ा एनकाउंटर में शहीद हुए सेना के 5 जवानों को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने ट्वीट करके कहा है कि शहीद हुए हमारे साहसी सैनिकों और सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि। उनकी वीरता और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। उन्होंने अत्यंत समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा की और हमारे नागरिकों की रक्षा के लिए अथक परिश्रम किया। उनके परिवारों और दोस्तों के प्रति मेरी संवेदना है।

**हंदवाड़ा एनकाउंटर में सेना के दो वरिष्ठ अधिकारी समेत 5 शहीद, 2 आतंकी ढेर**–जम्मू एवं कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सेना के दो वरिष्ठ अधिकारी सहित पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए। इलाके में हुई एक मुठभेड़ में दो आतंकवादी भी मारे गए हैं। सेना ने रविवार को इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि दो वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों में दो जूनियर रैंक के अफसर, एक स्थानीय पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। श्रीनगर स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने रैंक सहित पांच सुरक्षाकर्मियों की शहादत की जानकारी दी, लेकिन उनके नाम उजागर नहीं किए हैं। एक शीर्ष सूत्र ने आईएएनएस से कहा, ÷हंदवाड़ा तहसील के चंजिमुल्ला गांव में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच 20 घंटे तक चली लंबी मुठभेड़ में हंदवाड़ा तहसील के रजवार इलाके में राष्ट्रीय

राइफल्स बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर एक कर्नल, कंपनी कमांडर एक मैजर, स्थानीय पुलिस के एसओजी के एक अधिकारी के अलावा एक लांस नायक और एक राइफलमैन शहीद हुए हैं। सेना ने दो आतंकवादियों को भी मार गिराया है और उनकी पहचान का पता लगाया जा रहा है। हालांकि, मुठभेड़ स्थल में गोलीबारी रूक गई है, लेकिन सर्च ऑपरेशन जारी है। इससे पहले सूत्रों ने आईएएनएस को बताया था कि इलाके में नागरिक जीवन और संपत्ति को कोई क्षति ना पहुंचे इसके लिए चुपचाप ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए घर के भीतर गए सुरक्षाकर्मियों के साथ कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था। ऐसे में सेना के पैरा कमांडो और अन्य सुरक्षाकर्मियों ने रविवार सुबह पहली किरण के साथ ही आतंकवादियों के खिलाफ अंतिम हमले की शुरुआत की थी। पैरा कमांडो ने सुरक्षाकर्मियों और घर के अंदर छिपे आतंकवादियों को अलग करने के लिए अभियान शुरू किया था। गौरतलब है कि सुरक्षाबलों ने रजवार वन क्षेत्र में कथित रूप से छिपे आतंकवादियों के खिलाफ शनिवार को इस ऑपरेशन की शुरुआत की थी। शहीद हुए कर्मियों ने ऑपरेशन के दौरान घर में प्रवेश करते हुए अपनी जान को जोखिम में डाल कर कार्रवाई को अंजाम दिया था।

## हंदवाड़ा एनकाउंटर पर बोले CDS बिपिन रावत, स्वयं से पहले सेवा को दर्शाया

**नई दिल्ली।** उत्तरी कश्मीर में हंदवाड़ा क्षेत्र के एक गांव में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत का बयान आया है। जनरल रावत ने कहा है कि हंदवाड़ा में सुरक्षा बल द्वारा जारी ऑपरेशन लोगों के जीवन को बचाने के लिए तत्परता को दिखाता है। सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने कहा कि यूनिट और जम्मू-कश्मीर पुलिस के अन्य कर्मियों का नेतृत्व करते हुए कमांडिंग ऑफिसर ने अपने जीवन को दांव पर लगाकर मोटो स्वयं से पहले सेवा% को दर्शाया है। उन्होंने आगे कहा, शस्त्र बल को उनके आतंकवादियों को सफलतापूर्वक समाप्त करने वाले साहस पर गर्व है। हम इन बहादुर कर्मियों को सलाम करते हैं और इनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हंदवाड़ा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक कर्नल और एक मेजर समेत पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए। वहीं, इस एनकाउंटर में पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर हैदर भी मारा गया है। पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने रविवार को कहा, यह सूचित करते

हुए दुख हो रहा है कि कर्नल आशुतोष शर्मा, मेजर अनुज सूद और जम्मू कश्मीर पुलिस के उपनिरीक्षक शकील काजी समेत पांच बहादुर सुरक्षाकर्मी कर्तव्य पालन करते हुए शहीद हो गए। उन्होंने बताया कि कर्नल और उनकी टीम ने आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाए गए नागरिकों को बहादुरी से मुक्त करा लिया। मुठभेड़ में दो आतंकवादी भी मारे गए। सेना ने बताया कि कुपवाड़ा जिले में हंदवाड़ा के चंगीमुल्ला इलाके में एक मकान में आतंकवादियों द्वारा कुछ नागरिकों को बंधक बनाए जाने की खुफिया सूचना मिलने के बाद सेना तथा जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाया था। इसने बताया कि पांच सैन्य और पुलिस कर्मियों की टीम नागरिकों को छुड़ाने के लिए आतंकवादियों के कब्जे वाले इलाके में घुसी और नागरिकों को सफलतापूर्वक बचा लिया। सेना ने बताया कि हालांकि इस प्रक्रिया के दौरान आतंकवादियों ने टीम पर भारी गोलीबारी की और इसके बाद हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए तथा पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए।

## कोरोना वायरस : लॉकडाउन के कारण राजस्व में आई कमी, सभी को समय से दे रहे सैलरी : योगी

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि वैश्विक महामारी कोविड 19 से बचाव के लिये लागू लॉकडाउन के चलते राजस्व को भारी कमी आई है। इसके बावजूद हम 16 लाख कर्मचारियों और 12 लाख पेंशनर को समय से वेतन दे रहे हैं। सीएम योगी ने यह बात रविवार को अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड 19 से बचाव के लिये लागू लॉकडाउन के चलते राजस्व को भारी कमी आई है। लॉकडाउन-3 के दौरान राज्य में उद्योग धन्धों को संचालित करने के लिये एक कार्ययोजना बनाकर एडवाइजरी जारी की जाए। बात दें कि चालू वित्त वर्ष 202-21 के बजट के अनुसार अप्रैल माह में कर राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य 12141.04 करोड़ रूपये था जिसके सापेक्ष 2012.66 करोड़ रूपये की प्राति हुई है। यह लक्ष्य का मात्र 16.6 प्रतिशत है। इसी तरह करेत्तर राजस्व प्राप्ति के लक्ष्य 1512.98 करोड़ रूपये के सापेक्ष 282.12 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई है। यह धनराशि लक्ष्य का 18.6 प्रतिशत है। योगी ने कहा कि हॉटस्पॉट क्षेत्रों में रहने वाले कर्मी अपने सहयोगियों के लिए कोरोना कैरियर बन सकते हैं। इसलिए यह लोग

अपने कार्यस्थल पर न जाएं। उन्होंने कहा कि मण्डियों में किसानों, थोक व्यापारियों, खुदरा व्यापारियों के लिए समय सारणी बना ली जाए। मण्डियों का निरन्तर प्रभावी निरीक्षण कराया जाए। मण्डियों में साफ सफाई की व्यवस्था को उत्तम रखा जाए। मण्डियों में सेनेटाइजर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित रहनी चाहिए तथा सोशल डिस्टेंसिंग के पालन का विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इमरजेंसी सेवाओं को पूरे प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित करते हुए प्रारम्भ कराया जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इमरजेंसी सेवाएं शुरू करने वाले अस्पतालों से संवाद बनाया जाए। किसी समस्या की स्थिति में उसका प्रभावी निराकरण कराया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को भी इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पतालों से दूरभाष पर जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए। न्होंने कहा कि डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों के प्रशिक्षण के साथ ही डिग्री व माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को भी प्रशिक्षण दिलाया जाये। कोविड-19 से बचाव के लिये व्यापक पैमाने पर प्रशिक्षण दिलाने के लिए प्रत्येक जिले में मास्टर ट्रेनर्स लगाए जाएं। पीपीई किट, एन-95 मास्क, सेनिटाइजर आदि की पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखी जाय। उन्होंने कहा कि लेवल-1, लेवल-2, लेवल-3 कोविड अस्पतालों की क्षमता का तेजी से विस्तार किया जाय।

### नोएडा की झुग्गी-बस्तियों में घर-घर स्क्रीनिंग शुरू

**नोएडा।** नोएडा के औद्योगिक क्षेत्र के बीच बसी हुई जेजे कॉलोनी (झुग्गी बस्ती) में पिछले दिनों कोरोना वायरस के मरीज बड़ी संख्या में मिलने के बाद अब प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने यहां विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मिलकर कंटेनमेंट सर्वे कराने की योजना बनाई है ताकि कोविड-19 संक्रमित मरीजों की पहचान कर, उन्हें क्वारंटाइन में भेजा जा सके। नोएडा के सेक्टर-8, सेक्टर-9 और सेक्टर-10 की झुग्गी बस्तियों में अब तक कोविड-19 से संक्रमित 30 मरीजों की पुष्टि की जा चुकी है। शुक्रवार को भी इन झुग्गियों से कोरोना वायरस के 10 नए मरीज सामने आए। अधिकारियों के अनुसार शनिवार को भी यहां पर कोविड-19 का एक मरीज मिला है और कई ऐसे मरीज भी हैं जिनके संक्रमण के कारणों के बारे में स्वास्थ्य विभाग के पास पूरी जानकारी नहीं है। इन झुग्गियों में संक्रमण को रोकने के लिए तीन-तीन टीमें काम कर रही हैं जो यहां लोगों से बीमारी के लक्षणों के बारे में पूछ रही हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक ओहरी ने बताया कि झुग्गियों में घर-घर सर्वेक्षण और स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इन स्थानों पर डॉक्टरों की टीम लगाई गई है जो वहां रहने वाले लोगों में लक्षण के आधार पर बीमारियों का इलाज शुरू करेगी और संदिग्ध मरीजों को क्वारंटाइन में रखकर उनके सैंपल जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। सीएमओ ओहरी के मुताबिक, भविष्य में भी इसी तरह यहां जांच अभियान जारी रहेगा। सीएमओ ने बताया की झुग्गियों में रहने वाले प्रत्येक परिवार के कम से कम एक-एक सदस्य के नमूने जांच के लिए भेजे जाएंगे और अन्य लोगों में लक्षण दिखने पर जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि करीब 500 लोगों को क्वारंटाइन में रखने की तैयारी की जा रही है और 100 से ज्यादा लोगों को आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया जा चुका है। अधिकारी ने बताया कि इन क्षेत्रों से न तो किसी को निकलने की अनुमति दी जाएगी और न ही किसी के प्रवेश की इजाजत होगी।

## कोविड लॉकडाउन: दिल्ली में 22 मार्च से बंद शराब की दुकानें आज से खुलेंगी, पर...

**नई दिल्ली।** कोरोना लॉकडाउन तीन सोमवार यानि कल से शुरू हो रहा है। 40 दिनों के दो लॉकडाउन के बाद केन्द्र सरकार ने तीसरे लॉकडाउन में कुछ छूट दी हैं। इस छूट में सरकार ने ग्रीन और ऑरेन्ज के अलावा रेड जोन में शराब की दुकानें खोलने को मंजूरी दी है। सरकार के इस फैसले के बाद सोमवार से दिल्ली में 450 शराब की दुकानें खुलेंगी। ये वो दुकानें है जो कंटेटमेंट जोन में नहीं आती हैं। ये स्टैंडअलोन शराब की दुकानें हैं, जो मॉल में स्थित नहीं हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में 450 ऐसी दुकानें हैं जो 22 मार्च से बंद थीं और अब सोमवार से खुलेंगी। दिल्ली आबकारी विभाग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में 545 शराब की दुकानें हैं, जिनमें मॉल और कंटेटमेंट ज़ोन में शामिल दुकानें भी हैं। दिल्ली सरकार ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में स्टैंडअलोन शराब की दुकानों की सूची मांगी थी, जिनको शर्तों के साथ खोलने की अनुमति दी गई है। 4 मई से एक और दो सप्ताह के लिए देशव्यापी लॉकडाउन का विस्तार करते हुए गृह मंत्रालय (एमएचए) ने शराब और तंबाकू की दुकानों को ग्रीन और ऑरेन्ज जोन के साथ-साथ रेज

जोन में हॉटस्पॉट के बाहर खोलने की अनुमति दी थी। आपको बता दें कि दिल्ली के सभी 11 जिले रेड जोन में हैं और इसमें कुल 96 कंटेटमेंट जोन हैं। एमएचए के आदेश के बाद, दिल्ली आबकारी विभाग ने शनिवार को रू6 (सार्वजनिक क्षेत्र में शराब की खुदरा दुकानें) और रू8 (सार्वजनिक क्षेत्र में देशी शराब की दुकानों) की एक सूची मांगी थी, जो मंत्रालय के मानदंडों को पूरा करती हैं।

## कोरोना वॉरियर्स को सेनाओं ने किया सलाम, देशभर में अस्पतालों पर की पुष्पवर्षा

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड़ने वाले योद्धाओं को भारतीय सेनाओं ने रविवार को सलामी दी। सेना ने उन अस्पतालों पर हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए, जहां पर कोरोना से संक्रमित मरीजों का इलाज चल रहा है। सेना ने जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र समेत तमाम राज्यों में कोविड-19 के अस्पतालों पर आसमान से पुष्पवर्षा कर कोरोना वॉरियर्स का हौसला बढ़ाया। सेना का हेलिकॉप्टर दिल्ली के एम्स, एलएनजेपी, सर गंगाराम अस्पताल के ऊपर से भी गुजरा, जहां से डॉक्टरों, नर्सों, सफाईकर्मियों समेत योद्धाओं पर फूल बरसाए। भारतीय वायुसेना के विमानों ने चंडीगढ़ में सुखना झील के ऊपर से भी फ्लाईपास्ट किया। हेलिकॉप्टर ने चंडीमंदिर स्थित कमांड अस्पताल और सेक्टर 32 के पीजीआई और सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में फूलों की वर्षा की।

आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में भी रक्षाबलों के हेलिकॉप्टरों ने कोरोना वायरस महामारी से निपटने में अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों की अहम भूमिका के लिए फूल बरसाकर उन्हें सम्मानित किया। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना के हेलिकॉप्टर कोविड-19 के निर्धारित अस्पतालों के ऊपर से उड़े और पुष्प वर्षा की। हेलिकॉप्टर सरकारी छाती एवं संचारी रोग अस्पताल और निजी गिताम

अस्पताल के ऊपर से स्वास्थ्यकर्मियों पर फूलों की बारिश करते हुए गुजरे। उधर, तमिलनाडु के चेन्नई में रक्षा बलों के हेलिकॉप्टरों ने कोरोना वायरस का इलाज करने वाले चार अस्पतालों पर पुष्प वर्षा की। वायुसेना और भारतीय तटरक्षक बल के हेलिकॉप्टरों को स्वास्थ्यकर्मियों का सम्मान करने के लिए तैनात किया गया था। वहीं, वायुसेना के एमआई-17 हेलिकॉप्टर ने बेंगलुरु के सरकारी अस्पताल विक्टोरिया और इसके कमांड अस्पताल पर फूल बरसाए। रक्षा प्रवक्ता ने बताया, रूस निर्मित एमआई-17 ने सुबह 10.15 बजे शहर के उत्तरी उपनगर में येलहंका एयरबेस से उड़ान भरी और 10.30-10.45 बजे के बीच विक्टोरिया हॉस्पिटल और कमांड हॉस्पिटल के ऊपर उड़ान भरी, और कम ऊंचाई से उन पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई। गर्मियों में आसमान साफ रहने से पायलटों को अस्पतालों तक पहुंचने और उनकी छतों और आसपास फूलों की पंखुड़ियों को बरसाने में आसानी हुई। शारीरिक दूरी बनाए रखकर और मास्क पहनकर दोनों अस्पतालों के डॉक्टर, नर्स और कर्मचारी खुले मैदान में खड़े हुए और मौके पर फूलों से अभिवादन करने के लिए हेलीकॉप्टर पायलट को चीयर किया। इसके अलावा वायुसेना के हेलिकॉप्टर ने हैदराबाद स्थित गांधी अस्पताल, केरल के त्रिवेंद्रम मेडिकल कॉलेज, जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल आदि पर भी आसमान से फूल बरसाए।

## CRPF हेडक्वार्टर का एक कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव, मुख्यालय सील, कई अधिकारी क्वारंटाइन

**नई दिल्ली।** देश के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में भी कोरोना संक्रमण तेजी से फैलता जा रहा है। सीआरपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी के एक स्टाफ के कोरोना-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद दिल्ली में सीआरपीएफ मुख्यालय को अगले आदेश तक सैनिटाइजेशन के लिए सील कर दिया गया है। इसके साथ ही ष्ट्रक्क्र के कुल 40 अधिकारियों और कर्मचारियों सहित एक विशेष महानिदेशक रैंक के अधिकारी, उप महानिरीक्षक को भी होम क्वारंटीन कर दिया गया है। साथ ही मुख्याल बिल्डिंग में किसी के भी आने-जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। सीआरपीएफ और स्वास्थ्य कर्मी संक्रमित स्टाफ के संपर्क में आने वालों का पता लगाने में जुट गए हैं। बता दें कि सीआरपीएफ की दिल्ली स्थित एक बटालियन में कोविड-19 से संक्रमित जवानों की संख्या बढ़कर 135 हो गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। ये जवान राष्ट्रीय राजधानी के मयूर विहार फेस-3 इलाके में स्थित अर्द्धसैन्य बल की 31वीं बटालियन के हैं। पिछले कुछ दिनों में यहां कोरोना वायरस के मामले बड़ी संख्या में सामने आने के बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस बटालियन के कुल 135 जवान विषाणु से संक्रमित पाए गए हैं। यूनिट से कुल 480 नमूने लिए गए थे, जिनमें से 458 की रिपोर्ट आ चुकी है और 22 का इंतजार किया जा रहा है। नमूनों के त्वरित संग्रह को सुनिश्चित करने के लिए बटालियन के परिसर में एक सचल कोरोना वायरस जांच प्रयोगशाला तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि परिसर में और इसके आसपास एक विशेष संक्रमणमुक्त करने का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर संक्रमित कर्मियों में इस जानलेवा बीमारी के कोई लक्षण दिखाई नहीं दिए। इन्हें मंडोली में दिल्ली सरकार के एक आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया है। इस यूनिट के 12 कर्मी शुक्रवार को संक्रमित पाए गए थे और 55 वर्षीय एक उपनिरीक्षक की इस हफ्ते की शुरुआत में मौत हो गई थी।

### श्रमिक स्पेशल ट्रेन में सफर के लिए रेलवे ने जारी किए नियम जानें

## कौन देगा किराया, कैसे मिलेगा खाना और पानी

**नई दिल्ली।** देश के कई महानगरों में फंसे मजदूरों को घर वापस ले जाने के लिए राज्य सरकारों की मांग पर रेलवे ने श्रमिक स्पेशल ट्रेनों की शुरुआत की है। भारतीय रेलवे ने रविवार को सभी जोन्स के लिए गाइडलाइंस जारी करते हुए कहा है कि श्रमिक स्पेशल ट्रेनें तभी चलेंगी जब कम से कम 90 फीसदी सीटों के लिए बुकिंग की जाए। रेलवे ने किराया, खाना, पानी, सुरक्षा को लेकर हर बात स्पष्ट कर दी है। रेलवे की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है, सभी श्रमिक स्पेशल ट्रेनें नॉन स्टॉप होंगी और एकमात्र गंतव्य के लिए होगी। सामान्यत÷ये 500 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए होंगी। ट्रेनों को बीच के किसी स्टेशन पर नहीं रोका जाएगा। एक ट्रेन में (मिडिल बर्थ को छोड़कर) करीब 1200 लोग सफर कर सकते हैं। गाइडलाइंस में कहा गया है कि जिस राज्य से यात्रा प्रारम्भ होगी वहां की सरकार को यात्रियों का समूह तैयार करना होगा। ट्रेन में यात्रियों की संख्या क्षमता से 90 फीसदी से कम नहीं हो सकती है।

**राज्य सरकार के जरिए मिलेगा टिकट**–रेलवे ने कहा कि स्थानीय राज्य सरकार यात्रियों को टिकट सौंपेगी और

उनसे टिकट वसूल करके एकत्रित राशि रेलवे को सौंपेगी। यह भी कहा गया है कि जिस राज्य से ट्रेन खुलेगी वहां की सरकार को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करनी है ताकि केवल वे ही लोग स्टेशन परिसर में आ पाएं जिन्हें मंजूरी दी गई है और जिनके पास टिकट मौजूद है।

**राज्य सरकार रेलवे के पास जमा कराएगी रकम**– रेलवे दिए गए गंतव्य के लिए टिकट प्रिंट करेगी और स्थानीय राज्य सरकार प्रशासन को सौंप दिया जाएगा। राज्य सरकार उन टिकटों को उनके द्वारा तैयार लिस्ट के मुताबिक यात्रियों को टिकट सौंपेगी और उनसे किराया वसूल करेगी। किराया एकत्रित करके राज्य सरकार रेलवे के पास जमा कराएगी।

**खाना और पानी का इस तरह होगा इंतजाम**–जहां से यात्रा की शुरुआत होगी उस राज्य सरकार को खाने के पैकेट्स और पीने के पानी का भी इंतजाम करना होगा। यदि यात्रा 12 घंटे से अधिक के लिए होगी तो एक समय का खाना रेलवे की ओर से दिया जाएगा। सभी यात्रियों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य है। प्रशासन को सभी यात्रियों को इसकी जानकारी देनी है। साथ ही यात्रियों को आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

**गंतव्य स्टेशन पर वहां की सरकार संभालेगी जिम्मा**–गंतव्य स्टेशन पर पहुंचने के बाद वहां की राज्य सरकार यात्रियों को रिसीव करेगी। स्थानीय प्रशासन को स्क्रीनिंग, क्वारंटाइन और आगे की यात्रा आदि की व्यवस्था करनी होगी। वहां सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। रेलवे ने यह भी कहा है कि यदि सुरक्षा या हाइजीन से संबंधित नियमों का यदि किसी भी चरण में उल्लंघन होता है तो श्रमिक स्पेशल ट्रेन की सेवा रद्द की जा सकती है।

दैनिक
# पुष्पांजली टुडे

मिला-जुला

ग्वालियर, सोमवार, 04 मई 2020



## कोरोना वायरस : लॉकडाउन में लॉक हो गया करोड़ों का हरा सोना

**बांदा चित्रकूट महोबा।** लॉकडाउन के चलते यूपी समेत देश के 6 राज्यों एमपी, छत्तीसगढ़, राजस्थान, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र में हरा सोना यानि तेंदू पत्ता जंगलों में लॉक हो गया है। एमपी देश में सर्वाधिक तेंदू पत्ते का उत्पादक राज्य है। यूपी में सर्वाधिक तेंदू पत्ता बुन्देलखण्ड से निकलता है। इन्हीं पत्तों से बीड़ी बनती है। पत्तों की तुड़ाई और संग्रहण के ठेकों से राज्यों को भारी राजस्व मिलता है, जो ग्राणीण अर्थव्यवस्था की तकदीर तय करता है। अप्रैल से शुरू होने वाली पत्तों की तुड़ान ठप पड़ी है। इससे देश के लाखों श्रमिक परेशान हैं। क्योंकि अप्रैल-मई की कमाई उनके सालभर काम आती है। सभी राज्य लॉकडाउन-3 की नई गाइड लाइन पर मंथन कर इसे शुरू कराने का रास्ता खोज रहे हैं। यूपी के बुन्देलखण्ड के करीब 25 हजार श्रमिकों के लिए हरा सोना पीले सोने से कम हैसियत नहीं रखता है। जंगलों में अप्रैल-मई में तपती धूप और जंगली जानवरों से बैखौफ बुन्देली श्रमिक जान हथेली पर रखकर इस हरे सोने को निकालकर लाते हैं। इसके बदले उन्हें दिहाड़ी मिलती है। अप्रैल-मई की दिहाड़ी से ही बुन्देली सालभर के राशन-पानी और बेटियों के ब्याह के सपने बुनते हैं। काम अभी शुरू न होने से श्रमिकों के अरमान टूट रहे हैं तो रोजी-रोटी की चिंता जान हलक में डाले है। लॉकडाउन की वजह से मजदूरों के सामने परिवार के साथ गांव-देहात से 30 से 40 किमी. दूर जंगल तक जाना बड़ी चुनौती है। वहीं, वन निगम ने भी अभी तक कोई तैयारी तक नहीं शुरू की है। फड़ों और फड़ मुंशियों का चयन अभी नहीं हो सका है। इकाई अधिकारियों की तैनाती भी नहीं हो पाई है।

**बुन्देलखण्ड कमाकर देता है 55 करोड़-** शासन ने वन निगम को इस बार 27450 मानक बोरा तेंदू पत्ते का लक्ष्य निर्धारित किया है। पिछले वर्ष करीब 28 हजार मानक बोरा तेंदू का पत्ता तोड़ा गया था। अलग-अलग जंगलों में पांच हजार परिवारों के 25 हजार श्रमिक पत्ता तोड़ते हैं। वन निगम तेंदू पत्ता तुड़ान से करीब 55 करोड़ का व्यापार करता है। पत्ता तोड़कर फडों में पहुंचाने वाले मजदूरों को करीब पांच करोड़ की मजदूरी हर साल वन निगम बांटता है।

**मध्यप्रदेश सर्वाधिक उत्पादक राज्य है-**मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक तेंदूपत्ते का उत्पादक राज्य है। प्रदेश का औसत वार्षिक तेंदूपत्ता उत्पादन लगभग 25 लाख मानक बोरा है जो देश के कुल तेंदूपत्ता वार्षिक उत्पादन का लगभग 25 प्रतिशत है। मप्र. में तेंदूपत्ता के एक मानक बोरे में 50-50 पत्ते की 1000 गड्डियां होती हैं।

**चित्रकूट में होता है सबसे अधिक तेंदू पत्ता-** चित्रकूट में सबसे अधिक तेंदू पत्ता होता है। इसके लिए वन निगम कई जनपदों से इकाई अधिकारियों को बुलाकर उनकी नियुक्ति करता है। इनकी तैनाती अप्रैल माह में ही कर दी जाती है। इस बार लॉकडाउन की वजह से इकाई अधिकारी नहीं आ पाए हैं।

**इस बार डकैतों का नहीं कोरोना का खौफ-** एमपी और यूपी की सीमा से लगे पाठा के जंगलों में तेंदू सर्वाधिक है। यहां पिछले चार दशक से डकैतों का बोलबाला रहा है। दस्यु गिरोह तेंदू पत्ते के तुड़ान में दखलंदाजी कर चौथ वसूली करते थे, पर अब इनका खौफ तो नहीं है पर श्रमिक कोरोना से खौफजदा हैं।

**कागजों पर सात सेक्शन व 45 यूनिट बनी-** बुन्देलखण्ड तीन जिलों बांदा, चित्रकूट और महोबा में तेंदू पत्ता तुड़ान के लिए वन निगम ने फौरी तैयारियां कागजों पर कर ली है। सात सेक्शन व 45 यूनिट बन गई हैं, लेकिन अभी जिम्मेदारों की तैनाती नहीं हो सकी है। जंगलों से पत्तों के संग्रहण के बाद इन्हें सुखाया जाता है फिर वन निगम इन्हें मानिकपुर, कर्वी व अतर्रा के गोदामों में पहुंचाता है। जहां टेंडर खुलने पर बीड़ी कारोबारी इसे खरीदते हैं।

## मिसाल ! महिला पुलिस अफसर ने पंडित बनकर कराई शादी

**नरसिंहपुर (मध्यप्रदेश)।** कोरोना महामारी के कारण देशव्यापी बंद जारी है। इस स्थिति में विभिन्न आयोजन ही नहीं हो पा रहे हैं। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले में तो एक दूल्हा-दुल्हन के लिए जब फेरे लगवाने के लिए पंडित नहीं मिला तो एक पुलिस सब इंस्पेक्टर अंजलि अग्निहोत्री ने ही पंडित की भूमिका निभाते हुए विवाह की रस्में पूरी करा डाली। यह वाकया गोटेगांव तहसील के झोतेश्वर कस्बे का है। यहां श्रीनगर में रहने वाले लक्ष्मण चौधरी का विवाह नरसिंहपुर के इतवारा की ऋतु के साथ तय हुआ था। प्रशासन ने दोनों परिवारों को विवाह संपन्न कराने की अनुमति दे रखी थी, मगर उन्हें कोई पंडित नहीं मिल रहा था। यह विवाह समारोह सीमित लोगों की मौजूदगी में संपन्न होना था। विवाह की रस्में पूरी करने के लिए कोई पंडित नहीं मिला। तब लोगों ने सब इंस्पेक्टर अंजली से ही पंडित की भूमिका निभाने का आग्रह किया, ऐसा इसलिए क्योंकि अंजली ब्राह्मण परिवार से नाता रखती है। वह भी सहर्ष तैयार हो गईं और वैवाहिक रस्में पूरी कराई। अंजलि पुलिस की ड्रेस में थीं और वहां मौजूद सभी लोग मास्क लगाए हुए थे। अंजलि का कहना है कि वह गश्त पर थीं, इसी दौरान मंदिर में लोगों को देखा। उनको प्रशासन से मिली अनुमति को परखा। बाद में उन लोगों ने पंडित न होने की समस्या बताई और शादी में सहयोग का आग्रह किया तो मैं इसलिए तैयार हो गई क्योंकि वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी का सहयोग करने का निर्देश पहले से दिया हुआ है। कुछ मंत्र आते थे उसके आधार पर वैवाहिक रस्में पूरी कराईं। जो नहीं आते थे वह गूगल से देखे और हवन कुंड न होने पर दीपक का उपयोग किया।

### कोरोना: रेड जोन में शामिल इंदौर में मृतकों की संख्या
## 74 पर पहुंची, कुल 1,545 संक्रमित

**इंदौर (मध्य प्रदेश)।** देश में कोरोना वायरस के प्रकोप से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल इंदौर में इस महामारी से दो और मरीजों की मौत की पुष्टि की गयी है। इसके साथ ही, जिले में इस वायरस के संक्रमण के बाद दम तोड़ने वाले मरीजों की तादाद बढ़कर 74 पर पहुंच गयी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) प्रवीण जड़िया ने शनिवार को बताया कि कोविड-19 से संक्रमित पायी गयीं दो महिलाओं ने जिले के अलग-अलग अस्पतालों में पिछले छह दिन के दौरान आखिरी सांस ली। दोनों महिलाओं की उम्र 55-55 वर्ष की थी।

उन्होंने बताया कि इनमें से एक महिला गंभीर एनीमिया की पुरानी बीमारी से पीड़ित थी, जबकि दूसरी महिला उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पहले ही जूझ रही थी। सीएमएचओ ने बताया कि रेड जोन में शामिल जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस के 32 और मरीज मिलने के बाद इस महामारी की जद में आये लोगों की तादाद 1,513 से बढ़कर 1,545 पर पहुंच गयी है। इनमें से 250 से ज्यादा मरीजों को इलाज के बाद संक्रमणमुक्त होने पर अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। ताजा आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि शनिवार सुबह की स्थिति में जिले में कोविड-19 के मरीजों की मृत्यु दर 4.79 प्रतिशत थी। हालांकि, पिछले 23 दिन के दौरान इसमें बड़ी गिरावट दर्ज की गयी है। इंदौर में कोरोना वायरस का पहला मरीज मिलने के बाद से प्रशासन ने 25 मार्च से शहरी सीमा में कर्फ़्यू लगा रखा है, जबकि जिले के अन्य स्थानों पर सख्त लॉकडाउन लागू है।

## लॉकडाउन की बेबसी : जिंदा रहने के लिए सड़क से उठाकर जूठन भी खाना पड़ा

**रांची।** लॉकडाउन के दौरान घर-परिवार से सैकड़ों मील दूर तेलंगाना में फंसे झारखंड के मेहनतकश मज़दूरों को बेबसी ने ऐसा घेरा कि हौसला भी हांफ उठा। सिर्फ जिंदा रहने के लिए क्या कुछ नहीं झेला। कई-कई दिन भूख की मार सहते हुए गुजारे। एक वक्त तो ऐसा भी आया जब पेट की आग बुझाने के लिए सड़क से जूठन उठाकर हलक से उतारना पड़ा। लेकिन जिल्लत भरी इस लाचारी ने यह संकल्प दृढ़ कर दिया कि अब चाहे कुछ भी हो, अपने गांव-घर लौट जाएंगे और फिर कभी लौटकर नहीं आएंगे। विशेष ट्रेन से लौटे कोडरमा के सिकंदर यादव बताते हैं कि लॉकडाउन उनके लिए नरक से कम नहीं था। वह एक निजी कंपनी के प्रोजेक्ट में इलेक्ट्रिशियन थे। इस प्रोजेक्ट के अलावा निजी तौर पर काम कर वह अपना खर्च चलाते थे। साथ ही थोड़ी बहुत बचत घर भी भेजते थे। लॉकडाउन के बाद सब कुछ बंद हो गया। वह अपने साथियों के साथ कैंप कार्यालय में रहते थे। कार्यालय शहर से दूर था और आसपास आबादी भी नहीं थी। पास में न राशन था और न पानी। शुरू में तो कुछ दूर जाकर सूखा राशन लाकर कुछ भी बना लेते थे। लेकिन बाद में वह भी मिलना बंद हो गया। करीब दस दिन चना और पानी से गुजारा करना पड़ा। उनके साथ बिहार के भी कुछ मजदूर थे। वह अभी भी फंसे हैं। अब कुछ भी हो जाए, गांव छोड़ कर नहीं दूसरा शहर नहीं जाएंगे। **मेरे कारण परिवार भी टूट गया-**हजारीबाग के मुन्नवर अंसारी के आंखे नम थी लेकिन रांची पहुंचने की खुशी थी। कहते हैं मत पूछिए हुजूर क्या क्या नहीं सहना पड़ा। भोजन छोड़ हर कुछ मिल जाता था। जो लोग वहां के स्थानीय निवासी थे वह शुरू में फोन करते थे और कहते थे कि हमलोग साथ हैं। हर जरूरत पूरी करेंगे, लेकिन जब उनको फोन किया जाता था तो बात को टाल जाते और लॉक डाउन की मजबूरी बता देते थे। धैर्य रखने को कहा जाता था। आखिर धैर्य कैसे रखें। मैं ड्राइवर हूं। परिवार चलाने के लिए इतनी दूर निकलना पड़ा। हर दस दिन पर परिवार के लोगों को पैसा भेजता था तो वह दो शाम किसी प्रकार खाना खाते थे। करीब एक महीना से वह कुछ भेज नहीं सके हैं इस कारण उनका परिवार भी भुखमरी के कगार पर है।

## केंद्र से दस हजार करोड़ रुपए का पैकेज लेने की तैयारी में सरकार

- विभिन्न विभागों को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दे दिए गए

**भोपाल**

कोरोना महामारी के चलते लागू किए गए लाकडाउन की वजह से प्रदेश में सभी तरह की आर्थिक गतिविधियां बंद हो चुकी हैं। इसके चलते प्रदेश सरकार को मिलने वाले राजस्व पर भी बुरा असर पड़ा है। प्रदेश सरकार के खजाने की पहले से ही हालत खराब चल रही थी, उस पर अब कोरोना की मार पड़ने से हालात और बिगड़ गए हैं। ऐसे में प्रदेश सरकार केन्द्र से करीब दस हजार करोड़ के पैकेज लेने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार द्वारा विभिन्न विभागों को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दे दिए गए हैं। दरअसल, अभी यह तय नहीं है कि इस तरह की स्थिति कब तक बनी रहेगी। इसके बाद लॉकडाउन खुलने पर राज्य को गतिशील बनाना सरकार पर बड़ी चुनौती रहने वाली है। हालांकि सरकार इसके लिए अभी से प्रयास करने लगी है। सरकार का प्रयास है कि किसी तरह से कृषि, डेयरी और रोजगारमूलक क्षेत्रों में व्यवस्था सुचारू हो सके। इसके लिए कई तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। फिलहाल प्रदेश में लॉकडाउन 3 मई तक प्रस्तावित है। प्रदेश के कई जिलों में 3 मई के बाद भी लॉकडाउन रहना तय माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि वे जिले जहां लॉकडाउन से रियायतदी जाएगी, वहां पर सामान्य गतिविधियां शुरू करने की तैयारी की जा रही है। हालांकि यह गतिविधियां भी सीमित होंगी।

**तालबंदी का सामना:** इधर, 20 अप्रैल के बाद से ही राज्य सरकार प्रदेश के औद्योगिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने की कोशिश में लगी हुई है। हालांकि इसमें उसे कोई खास सफलता नहीं मिल पा रही है। इनमें वे औद्योगिक प्रतिष्ठान ही इस समय चल रहे हैं, जो पूर्व से ही संचालित हो रहे थे। यह भी वे प्रतिष्ठान हैं, जिनमें जीवन रक्षक उपकरण और आवश्यक सेवाओं से जुड़ी चीजों का उत्पादन होता है। लिहाजा यहां काम करने वाले मजदूरों को तालाबंदी का सामना नहीं करना पड़ा, और वे लगातार काम करते रहे।

**मजदूरों का संकट :** दरअसल लाकडाउन के चलते बंद हुए संस्थानों की वजह से काम के अभाव में बड़ी संख्या में मजदूर पलायन कर गए। अब वे फिल्हाल लौटने को तैयार नही है, जिससे अब संस्थानों को शुरू करने में सबसे बड़ी परेशानी मजदूरों की कमी बन रही है।

**कृषि और डेयरी भी प्रभावित:** प्रदेश की कोर सेक्टर में शुमार कृषि और डेयरी जो कि सबसे अधिक रोजगार का सर्जन करते हैं। इस सेक्टर को भी इस सीजन में बेहद खराब स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। डेयरी उत्पाद से जुड़े किसान दूध और उससे जुड़े प्रोडक्ट की डिमांड में कमी आने के कारण लगातार घाटा का सामना कर रहे हैं। खपत कम होने से दूध की सप्लाई नहीं हो पा रही है। प्रोसेसिंग यूनिट के काम नहीं करने से भी डेयरी प्रोडक्ट का उत्पादन नहीं हो पा रहा है।

## मध्यप्रदेश के 77 लाख किसानों-मजदूरों को केंद्र से लाभ दिलाएंगे

- हालातों को देख सरकार ने प्रवासी मजदूर सहायता योजना शुरू

**भोपाल**

मध्यप्रदेश सरकार किसानों और मजदूरों को सरकारी योजनाओं से जोडकर लाभ पहुंचाने की योजना बना रही है। इसके तहत दूसरे राज्यों में रह रहे मप्र के प्रवासी मजदूरों को भी लाभ पहुंचाया जाएगा।

प्रदेश में करीब 80 हजार ऐसे मजदूर चिन्हित किए गए हैं जिनकी जमीन मध्यप्रदेश में है, लेकिन वे दूसरे राज्यों में मजदूरी करते हैं। इसके अलावा प्रदेश के कुल 77 लाख किसानों को योजना का लाभ दिलाने की तैयारी है।

कोरोना लॉकडाउन के दौरान बने हालातों को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रवासी मजदूर सहायता योजना शुरू की है। इसके बाद यह बात सामने आई है कि प्रदेश के करीब डेढ़ लाख मजदूर दूसरे राज्यों में जाकर अपना जीवन यापन करते हैं। इनमें से 70 से 80 हजार मजदूर ऐसे हैं जिनकी जमीन और मकान आदि मध्यप्रदेश में है यह सभी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में पंजीकृत नहीं है। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि ऐसे मजदूरों को फिलहाल मध्यप्रदेश में रहना होगा। इसलिए शासन ने तय किया है कि इनका पंजीयन और वेरिफिकेशन प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में कराया जाए, ताकि सालभर में मिलने वाली 6000 की राशि अलग अलग किस्तों में मिल सके। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को किसानों को 2,990 करोड़ की राशि का ऑनलाइन भुगतान कर चुके हैं। इससे प्रदेश के 14 लाख 171 किसान लाभान्वित होंगे। 8 लाख 33 हजार 171 किसानों को खरीफ फसल की बीमा राशि के रूप में 1,930 करोड़ रुपए प्रदान किए जा रहे हैं। रबी फसल की बीमा राशि के रुपये में एक हजार साठ करोड़ का भुगतान किया जाएगा। ज्ञात हो, मुख्यमंत्री चौहान ने सरकार बनते ही फसल बीमा की राशि बीमा की 2200 करोड़ रुपये की राशि का बीमा कंपनियों को भुगतान कर दिया था। इसके परिणाम स्वरूप ही किसानों को फसल बीमा की राशि प्रदाय की जा रही है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में खरीफ फसलों के अंतर्गत सोयाबीन, मक्का, धान, बाजरा, ज्वार, तेल, मूंगफली, कपास, और उड़द का बीमा हुआ है। इसी प्रकार रबी फसलों के अंतर्गत गेहूं, चना, सरसों, अलसी और मसूर का बीमा कराया गया है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना में अब तक 71 लाख किसानों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। आयुक्त भू अभिलेख ज्ञानेश्वर पाटील के अनुसार योजना कोरोना संकट के चलते किसानों के पंजीयन का काम रुक गया था, लेकिन जल्द ही ये फिर से वेरिफिकेशन और पंजीयन का काम शुरू होगा। सरकार की कोशिश है कि प्रदेश के 76 लाख किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना में पंजीकृत कराकर लाभ दिलाया जाए।

### पीसीसी चीफ कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज को लिखा पत्र, कहा
## मूंग की फसल को पीडीएस और बाजार में विक्रय की कराएं व्यवस्था

**भोपाल**

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने उत्पादक किसानों को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। उन्होंने एमएसपी पर मूंग की फसल को सरकार द्वारा खरीदने और पीडीएस व्यवस्था एवं बाजार में विक्रय कराने की व्यवस्था करने की मांग की है। कमलनाथ ने पत्र में बताया कि पिछले साल उनकी सरकार में समय पर किए गए प्रबंधों की वजह से इस वर्ष ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल का उत्पादन 1 लाख हेक्टेयर से बढ़कर लगभग 5 लाख हेक्टेयर भूमि में हो गया है। मुख्यमंत्री शिवराज को लिखे पत्र में कमलनाथ ने कहा मूंग की फसल लगभग 1 माह बाद आने वाली है। पिछली सरकार के समय मूंग की फसल को एमएसपी पर किसानों से खरीद कर पीडीएस में विक्रय किया गया था। वहीं बची हुई फसल को भी सरकार द्वारा खरीद कर दूसरे राज्यों में विक्रय किया गया था। इस वर्ष में उत्पादन की संभावित अधिक मात्रा को देखते हुए मूंग उत्पादक किसानों के हितों को सुरक्षित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। कमलनाथ ने मांग की है कि उत्पादक किसानों का ऑनलाइन पंजीयन का कार्य प्रारंभ कराया जाऐ फसल उत्पादन की संभावित मात्रा की अघतन जानकारी से भारत सरकार को अवगत कराया जाए जिस से आयात के संबंध में उचित निर्णय हो और मूंग का बाजार मूल्य किसान हित में रह पाए। इसके अलावा एमएसपी पर क्रय करने के लिए केंद्र सरकार से आवश्यक अनुमति के लिए कार्रवाई प्रारंभ की जाए। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी एमएसपी पर मूंग की फसल को सरकार द्वारा क्रय किया जाकर पीडीएस व्यवस्था एवं बाजार में विक्रय करने के विषय पर राज्य सरकार कार्रवाई करे।

## ग्रीन जोन में पान के व्यापार को बंद से मुक्त करें

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर उन्हें लॉकडाउन के कारण पान व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराया है। पत्र में उन्होंने कहा कि पान को काफी समय तक सुरक्षित नहीं राा जा सकता है। इस कारण पान व्यापारियों का कच्चा माल खराब हो गया है और उन्हें भारी हानि उठाना पड़ी है। पानी व्यापारियों का जीवन यापन कठिन हो गया है। इसलिए प्रदेश में ग्रीन जोन वाले क्षेत्रों में पान के व्यापार को बंद से मुक्त किया जाए और पान व्यापारियों को एकमुश्त राहत राशि प्रदान की जाए।

## पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत कम करे सरकार

**भोपाल।** पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत कम करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम अत्यंत कम हो गए हैं, इसलिए सरकार को पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत कम करनी चाहिए। इससे किसानों, उद्योगों और आम जनता को राहत मिलेगी। सिंह ने प्रदेश के किसानों की परेशानी को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिाा है। पत्र में उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों की हालत खराब है। किसानों को मक्का और प्याज की फसलों का उचित दाम नही मिल रहा है। मूंग की फसल आ गई है, लेकिन खरीदी की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने सीएम को किसानों की समस्या के निराकरण को लेकर कुछ सुझाव भी दिए हैं।

## मध्याह्न भोजन डोर-टू-डोर पहुंचाने वाला पहला राज्य बना मध्यप्रदेश

- 66 लाख बच्चों के अभिभावकों को ऑनलाइन भेजे गए 117 करोड़

**भोपाल**

राज्य शासन द्वारा कोरोना संक्रमण में स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के कुल 66 लाख 27 हजार विद्यार्थियों के अभिभावकों के बैंक खाते में 117 करोड़ रुपए की राशि ऑनलाइन ट्रान्सफर की गई है। साथ ही, 56 लाख 87 हजार बच्चों को डोर-टू-डोर मध्यान्ह भोजन का राशन भी पहुँचाया जा चुका है। अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि भारत सरकार की समीक्षा बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश डोर-टू-डोर मध्यान्ह भोजन राशन पहुँचाने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि कोरोना संक्रमण में गत 23 मार्च को लॉक डाउन होने पर 29 मार्च को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा एनआईसी के माध्यम से बच्चों के अभिभावकों के खाते में खाद्य सुरक्षा भत्ते की राशि अंतरित की गई। यह राशि सभी बच्चों के अभिभावकों को प्राप्त हो गई है।

**डोर-टू-डोर मध्यान्ह भोजन:** अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि अप्रैल माह में विद्यालय बंद हो जाने पर विद्यार्थियों को भोजन का राशन उनके घर पर ही भिजवाने में आंगनवाड़ी कार्यकताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय शिक्षिकों का सहयोग प्राप्त किया गया। भारत सरकार ने मध्यप्रदेश में मध्यान्ह भोजन योजना के क्रियान्वयन में नवाचार के सफल प्रयासों की सराहना की है।

### बिक्री का संकट — प्रदेश में महज 3 लाख टन प्याज भंडारण की सुविधा
## अभी तक नहीं बिका किसानों का 28 लाख टन प्याज

**भोपाल**

प्रदेश में प्याज की खेती करने वाले किसानों के सामने इन दिनों फसल बिक्री का संकट बना हुआ है। अभी कुछ दिन और प्याज की बिक्री नहीं हो सकी तो, किसानों की आंख में आंसू आना तय है। खास बात यह है कि बीते तीन माह में किसान सिर्फ 12 लाख टन ही प्याज बेच पाए हैं। अभी भी प्रदेश के दो लाख 10 हजार किसानों को 28 लाख टन प्याज बिकने का इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि अफसरों का दावा है कि राज्य सरकार द्वारा प्याज की बिक्री के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार के बड़े प्याज कारोबारियों से बात की जा रही है। उधर, उद्यानिकी विभाग का कहना है कि प्रदेश में 40 लाख टन प्याज का उत्पादन हुआ है। तीन लाख किसानों ने एक लाख 60 हजार हेक्टेयर में इसकी खेती की थी। इनमें से करीब 90 हजार किसान फरवरी में ही अपनी प्याज बेंच चुके हैं।

**प्याज उत्पादक जिले :** प्रदेश के करीब 16 जिलों में प्याज की खेती अधिक की जाती है। इनमें उज्जैन, देवास, मंदसौर, नीमच, रतलाम, शाजापुर, आगर, इंदौर, खंडवा, बड़वानी, शिवपुरी, सागर, रीवा, राजगढ़, सीहोर और भोपाल शामिल हैं। इनमें से कई जिलों मे खरीफ और रबी में प्याज की खेती की जाती है। हालांकि, खरीफ में प्याज का अधिक उत्पादन नहीं होता है। उत्पादन का 50 फीसदी प्याज पत्ते के रूप में बेच दी जाती है।

### प्याज के बाजार

मध्यप्रदेश की प्याज का निर्यात बहुतायत मात्रा में बांग्लादेश, पाकिस्तान और खाड़ी देशों में किया जाता है। इसके अलावा देश के दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, लेह, लद्दाख, हरियाणा, केरल, असम में भी भेजा जाता है। प्रदेश में 40 से 45 लाख टन प्याज का उत्पादन होने के बाद भी इसके भंडारण की उचित सुविधा नहीं है। बीते पांच सालों में महज तीन लाख टन प्याज भंडारण के ही गोदाम बन पाए हैं।

### चार साल पहले सरकार ने की थी खरीदी

शिवराज सरकार ने 2016 में किसानों से आठ से दस रुपए किलो में लाखों टन प्याज की खरीदी की थी, लेकिन गोदामों तक पहुंचते-पहुंचते 90 फीसदी प्याज सड़ गई थी, जिससे सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ था। इसके बाद से बीते साल तक भावांतर में प्याज खरीदी गई, लेकिन इस वर्ष अभी तक प्याज खरीदी की नीति ही तैयार नहीं की गई है।

227 संक्रमित पुलिसकर्मियों में 22 आरक्षी और 8 पुलिस अधिकारी संक्रमण मुक्त हो चुके

# ठाकरे आवास तक पहुंचा कोरोना: मातोश्री में ड्यूटी पर तैनात 3 पुलिसवाले पॉजिटिव, राज्य में अब तक 227 पुलिसकर्मी संक्रमित

मुंबई ■ एजेंसी

कोरोनावायरस मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री तक पहुंच गया है। यहां सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात तीन पुलिसवाले कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इसके बाद यहां तैनात 130 अन्य पुलिसवालों को सांताक्रूज में एक क्वारैंटाइन सेंटर भेज दिया गया है। सभी की कोरोना जांच भी करवाई जा रही है। आज शाम तक इनकी रिपोर्ट भी आ सकती है।

### पहले एक चायवाला संक्रमण हुआ था

इससे पहले मुख्यमंत्री के घर के बाहर चाय का स्टॉल लगाने वाला एक शख्स कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। मातोश्री पर तैनात पुलिसकर्मी वहां चाय पीते रहते थे।

इसी को देखते हुए मातोश्री पर तैनात 130 पुलिसकर्मियों को ड्यूटी से हटाकर क्वारैंटाइन किया गया था। हालांकि, इसके बाद बीएमसी ने पूरे इलाके को सैनिटाइज करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया था।

### राज्य के 30 पुलिस अधिकारियों समेत 227 पुलिसवालों में कोरोना

महाराष्ट्र में 30 अधिकारियों समेत 227 पुलिसकर्मी कोरोनावायरस से संक्रमित हुए हैं। इनमें 66 पुलिसकर्मी गुरुवार से शुक्रवार के बीच संक्रमित हुए। अधिकारी ने बताया कि संक्रमित पुलिस कर्मियों में नासिक जिले में अधिक संक्रमित स्थान (हॉटस्पॉट) के तौर पर चिह्नित मालेगांव में सुरक्षा के लिए तैनात रिजर्व पुलिस के जवान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 227 संक्रमित पुलिसकर्मियों में 22 आरक्षी और आठ पुलिस अधिकारी संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। जबकि 172 आरक्षी और 22 अधिकारियों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। वहीं, तीन पुलिस अधिकारियों की मौत हुई है।

### संक्रमितों ने नया रिकॉर्ड बनाया

- महाराष्ट्र और मुंबई में कोरोना के मामलों में शुक्रवार को रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई थी। राज्य में कोरोना के एक दिन में सबसे ज्यादा 1,008 नए पॉजिटिव केस सामने आए। इसके पहले सबसे ज्यादा 811 मरीज 25 अप्रैल को मिले थे। इसके साथ राज्य में मरीजों की संख्या 11,506 तक पहुंच गई।
- उधर, मुंबई में भी मरीजों की संख्या में शुक्रवार को रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई। 751 नए मरीज मिले। यहां कुल संक्रमितों की संख्या 7,623 तक पहुंच गई है।
- **अब तक 485 मौतें:** मुंबई और उपनगर में 320, पुणे डिवीजन में 107, नासिक डिवीजन में 30, कोल्हापुर डिवीजन में 3, औरंगाबाद डिवीजन में 9, लातूर डिवीजन में 2, अकोला डिवीजन में 9 और नागपुर डिवीजन में 2 मौतें हुई हैं। इसके अलावा राज्य से बाहर के तीन लोगों की जान भी गई है।

### तीन पॉजिटिव जवानों के साथ ड्यूटी में तैनात 130 जवानों को भी क्वारैंटाइन किया गया है

मुख्यमंत्री के निजी आवास मातोश्री के बाहर तैनात तीन पुलिस के जवानों को कोरोना हो गया। इन्हें आइसोलेट कर दिया गया है। इसके बाद पूरे इलाके को सैनिटाइज किया जाएगा। बताया जा रहा है कि उनके साथ ड्यूटी में तैनात 130 जवानों को भी क्वारैंटाइन किया गया है। इसके पहले अप्रैल में मातोश्री के बाहर एक चाय वाला कोरोना संक्रमित पाया गया था। इस बीच, चंद्रपुर में शनिवार को एक हजार प्रवासी मजदूरों ने प्रदर्शन किया। इनकी मांग है कि उन्हें अपने घर जाने दिया जाए। उधर, सरकार ने संकेत दिए कि मुंबई, पुणे, नागपुर और नासिक जैसे कोरोना के रेड जोन वाले इलाकों में लॉकडाउन से किसी तरह की छूट नहीं मिलेगी। साथ ही प्रवासियों और मजदूरों की घर वापसी के लिए पुणे और मुंबई से कोई ट्रेन नही चलाई जाएगी। बीएमसी के अनुसार, 55 साल से ज्यादा उम्र के जिन आपातकर्मियों को पहले से ही उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय और गुर्दे की बीमारी है, उन्हें एक माह तक घर पर ही रहने को कहा गया है। बीएमसी के मेडिकल स्टाफ के रिटायर होने का समय एक साल बढ़ा दिया है। इनमें डॉक्टर्स, हेल्थ वर्कर्स और मेडिकल टीचर शामिल हैं। बीएमसी ने काम पर 50 प्रतिशत कर्मचारी मौजूद रहने के पिछले आदेश को रद्द करते हुए 100 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य कर दी है। इस आदेश का पालन न करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ महामारी एक्ट की धारा 188 के तहत कार्रवाई का आदेश दिया है।

## पालघर हिंसा मामला: गिरफ्तार आरोपियों में से एक मिला वायरस से संक्रमित, 23 पुलिसवालों समेत 43 की जांच

- पालघर में अब तक 170 कोरोना के मामले सामने आए हैं और 10 लोगों की मौत हो चुकी है
- 17 अप्रैल को पकड़ा गया था और यह वाड़ा पुलिस थाने के लॉकअप में बंद था

मुंबई. महाराष्ट्र के पालघर में साधुओं की पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में गिरफ्तार 115 आरोपियों में से एक में कोरोनावायरस मिला है। इसके बाद उनके संपर्क में आने वाले 43 लोगों, जिनमें 23 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं कि जांच की जा रही है। पालघर ग्रामीण अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ दिनकर गावित ने बताया कि पालघर लिंचिंग केस में 55 साल का एक आरोपी पॉजिटिव पाया गया है। इसे 17 अप्रैल को पकड़ा गया था और यह वाड़ा पुलिस थाने में लॉकअप में बंद था। संक्रमित दहानु में दिव्य-वाकीपाड़ा का रहने वाला है। संक्रमित होने के बाद अब इसकी ट्रेवल हिस्ट्री खंगाली जा रही है और परिवार को भी होम क्वारैंटाइन किया गया है।

### 14 मई तक पुलिस कस्टडी में था आरोपी

इस कोरोना संक्रमित आरोपी को दहानु कोर्ट में पेश किया गया था और अन्य 114 आरोपियों के साथ 14 मई तक पुलिस कस्टडी की मांग की गई थी। अन्य सभी आरोपियों को वाडा, दहानू, कासा, विक्रमगढ़, तलासरी और अन्य पुलिस थानों में लॉकअप में रखा गया है ताकि कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण भीड़भाड़ से बचा जा सके। डॉ. गावित ने कहा कहा कि 28 अप्रैल की सुबह आरोपी के गले का स्वाब टेस्ट लिया गया, जिसमें वह नेगेटिव पाया गया। मगर शनिवार सुबह एक और टेस्ट किया गया और इसमें वह कोरोना पॉजिटिव निकला। उसे आरएच में भर्ती कराया गया था, मगर उच्च अधिकारियों से अनुमति लेने के बाद आरोपी मरीज को मुंबई के जेजे अस्पताल के जेल वार्ड में स्थानांतरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरोपी में कोरोना वायरस के अब तक कोई लक्षण नहीं दिखे हैं, मगर हम किसी तरह का कोई चांस नहीं ले सकते हैं। पालघर जिले में अब तक 170 कोरोना के मामले सामने आए हैं और 10 लोगों की मौत हो चुकी है।

## जयपुर में 18 दिन के बच्चे ने दम तोड़ा, राजस्थान में कोरोना से इतनी कम उम्र में मौत का पहला मामला

**जयपुर।** जयपुर में शनिवार को कोरोना संक्रमण से 18 दिन के बच्चे की मौत हो गई। राज्य में इतनी कम उम्र में कोरोना से मौत का यह पहला मामला है। उसका जन्म 14 अप्रैल को गणगौरी अस्पताल में हुआ था। उसे उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद 1 मई को जेके लोन अस्पताल में भर्ती किया गया। देर रात कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आई और सुबह मौत हो गई। बच्चे के परिवार में अभी कोई कोरोना पॉजिटिव नहीं है। उनकी कोई ट्रैवल हिस्ट्री भी नहीं है। अब बच्चे के परिवार के 10 लोगों को क्वारैंटाइन किया गया है। राजस्थान में शनिवार को 54 कोरोना संक्रमित मिले। इस बीमारी से 4 की मौत भी भी हुई। अब तक 1116 संक्रमित ठीक हुए हैं। जयपुर में शुक्रवार को 51 लोगों को डिस्चार्ज किया गया। इनमें से एक शाहिना बानो भी हैं। जिन्होंने तीन दिन पहले ही बेटे को जन्म दिया था, लेकिन चेहरा भी नहीं देख पाई थीं। डिस्चार्ज होकर जब उन्होंने अपने बेटे को पहली बार देखा, उस पल को शेयर किया।

**राजस्थान में कोरोना से अब तक 66 लोगों ने जान गंवाई, सबसे ज्यादा 39 मौत जयपुर में**

**सबसे ज्यादा 949 संक्रमित जयपुर में, इसके बाद जोधपुर में 575 रिपोर्ट पॉजिटिव आई**

### लॉकडाउन में ठगी का नया पैंतरा

लॉकडाउन में घर में बंद बदमाशों ने भी ठगी का नया रास्ता तलाश लिया है। ठगों ने फेसबुक पेज बना रखे हैं। इन पेजों पर शराब के ऑनलाइन ऑर्डर के लिए बाकायदा मोबाइल नंबर भी दे रखे हैं। लोगों को फ्रॉड की भनक न लगे, इसलिए ये स्थानीय दुकानों के फोटो और नाम का सहारा ले रहे हैं। शराब डिलीवरी का झांसा देकर 50 फीसदी पैसे भी ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लेते हैं। ठगे गए लोग पुलिस के डर से शिकायत भी नहीं कर पा रहे। उदयपुर एसएसपी कैलाशचंद्र बिश्नोई ने बताया कि ठगी का ये पूरा नेक्सस बाहर के राज्यों से ऑपरेट हो रहा है। शिकायत मिलते ही केस दर्ज कर ऐसे फेसबुक पेज को बैन करवा दिया है।

## जम्मू-कश्मीर में 11 मई को आत्मघाती हमले की योजना बना रहा आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, अलर्ट जारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान का आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद जम्मू-कश्मीर में 11 मई को कई आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहा है। इसको लेकर सुरक्षाबलों को अलर्ट जारी किया गया है। एक अधिकारी ने कहा, जानकारी है कि ये आत्मघाती हमले हो सकते हैं और जम्मू-कश्मीर में सेना और अर्धसैनिक बलों के ठिकानों को निशाना बना सकते हैं। कहा जा रहा है कि इस आतंकी हमले की वजह भारतीय सेना द्वारा अप्रैल महीने में 28 आतंकवादियों को मौत के घाट उतार देना है। अधिकारी ने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद का फाउंडर मौलाना मसूद अजहर लंबे समय से बीमार है और इस वजह से कई महीनों से गतिविधियों से दूर है। उसकी जगह उसका भाई मुफ्ती अब्दुल असगर आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों को देख रहा है। भारतीय खुफिया एजेंसियों के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मुफ्ती अब्दुल रऊफ असगर ने शनिवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के बाहरी इलाके रावलपिंडी में इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। कश्मीर के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि हमलों के लिए 11 मई का विकल्प रमजान के 17 वें दिन के साथ मेल खाने के लिए चुना गया है। इस दिन सऊदी अरब में बद्र की लड़ाई कुछ सौ सैनिकों द्वारा लड़ी गई और जीती गई थी। इतिहास में इसे इस्लाम के शुरुआती दिनों में बड़ी जीत और एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जाता है। खुफिया अधिकारियों ने कहा कि पिछले एक महीने के दौरान पाकिस्तान की सेना द्वारा समर्थित घुसपैठ की कोशिशें की गईं, जिसके बाद माना जा रहा था कि जैश ऐसी कोई योजना बना सकता है। ऐसा अनुमान है कि लगभग 25-30 जैश आतंकवादी पाकिस्तान की सेना की मदद से कश्मीर घाटी में घुसने में कामयाब हो गए थे।

लॉकडाउन से देश के 53 हजार होटल व 5 लाख रेस्टोरेंट बंद

## 3.5 करोड़ लोगों की नौकरी पर संकट

**लखनऊ।** कोरोना संक्रमण के चलते होटल इंडस्ट्री आईसीयू में पहुंच गई है। देश के करीब 53 हजार होटलों व लगभग पांच लाख रेस्टोरेंट में ताला पड़ गया है। पूरे देख में इससे करीब तीन करोड़ लोगों का रोजगार प्रभावित हुआ है। फेडरेशन आफ होटल एण्ड रेस्टोरेंट एसोसिएशन आफ इण्डिया (एफएचआरएआई) ने लॉकडाउन से होटल, ट्रैवल्स व टूरिज्म को तीन लाख करोड़ रुपए के नुकसान की बात कही है। यूपी के करीब 20 हजार तथा लखनऊ के लगभग 850 होटलों भी ताला बंद है। लखनऊ में होटल इण्डस्ट्री को अब तक एक हजार करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। देश में होटल इण्डस्ट्री अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। कोरोना संक्रमण से जो स्थिति बनी है विशेषज्ञ उससे इसके वर्ष के अंत तक न उबरने की बात कह रहे हैं। एफएचआरएआई इसको लेकर रोजाना इण्डस्ट्री के लोगों के साथ वेबनार कर रहा है। इससे बाहर निकालने के तरीकों पर बात हो रही है। उसने प्रधाानमंत्री को भी ज्ञापन भेजा है। ऐसोसिएशन से जुड़े सदस्य केवल होटल इण्डस्ट्री को ही करीब एक लाख 60 हजार करोड़ के नुकसान की बात कह रहे हैं। जबकि पर्यटन, टूर व ट्रैवल्स को जोड़कर तीन लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान बताया जा रहा है। उनके मुताबिक पूरे देश में होटल कारोबार से जुड़े करीब साढ़े तीन करोड़ लोगों की जॉब पर संकट है।

### यूपी में 20 हजार होटल बंद, 30 लाख लोगों का रोजगार प्रभावित

यूपी के होटल इण्डस्ट्री की हालत भी देश से अलग नहीं है। यूपी में करीब 20 हजार होटल प्रभावित हुए हैं। यूपी में इस इण्डस्ट्री को करीब 16 हजार करोड़ रूपए के नुकसान की बात कही जा रही है। इस इण्डस्ट्री से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े करीब 30 लाख लोगों का रोजगार प्रभावित हुआ है। यूपी होटल एण्ड रेस्टोरेंट एसोसिएशन (यूपीएचआरए) के ज्वाइंट सेक्रेटरी के श्याम कृष्णानी कहते हैं कि होटल इण्डस्ट्री के 95 प्रतिशत कर्मचारी खाली बैठ गये हैं। इनके पास कोई काम नहीं है।

### होटल का 99 प्रतिशत स्टाफ रहता है बाहर, लाक डाउन के बाद सब गए घर

होटलों व रेस्ट्रोरेंट में काम करने वाला 99 प्रतिशत स्टाफ होटल के बाहर ही रहता है। होटल में उन्हें रहने की इजाजत नहीं होती है। यूपी होटल एण्ड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के ज्वाइंट सेक्रेटी श्याम कृष्णानी खुद कहते हैं कि होटलों में काम करने वालों को अन्दर रहने की इजाजत नहीं होती है। स्टाफ बाहर किराए पर रहता है। जिसकी जब ड्यूटी होती है उस हिसाब से आता है। उन्होंने बताया लाक डाउन होने के बाद लगभग स्टाफ अपने गावं-घर चला गया। जब प्रशासन ने कुछ होटलों को डाक्टरों के लिए अधिग्रहित किया तो बहुत मामुली स्टाफ बुलाया गया था। आस पास के लोग ही आ पाए। गार्ड व सफाई कर्मचारी ही ड्यूटी पर आ रहे हैं।

## कोरोना: आम आदमी, उद्योगों को और राहत देने की सरकार कर रही तैयारी

**नई दिल्ली।** कोरोना संक्रमण से प्रभावी ढंग से निपटने के साथ केंद्र सरकार ने आर्थिक मोर्चे पर भी कमर कसनी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, गृह मंत्री अमित शाह एवं अन्य प्रमुख मंत्रियों एवं अधिकारियों साथ चर्चा की है। बैठक में राज्यों की आर्थिक पैकेज की मांग व विभिन्न क्षेत्रों को मजबूत करने का मुद्दा प्रमुख रहा। इसके साथ सरकार आम आदमी को भी और राहत दे सकती है। देश में बीते 25 मार्च से चल रहा लॉकडाउन चार मई से तीसरे चरण में जा रहा है। इसका अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। अब सरकार इससे उबरने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार सरकार की ओर से कोरोना से प्रभावित लोगों और कारोबार को एक और राहत पैकेज देने की तैयारी हो रही है। प्रधानमंत्री ने प्रभावित उद्योगों को राहत पैकेज देने के संबंध में बैठक भी की है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री इसके बाद अन्य प्रमुख आर्थिक मंत्रालयों के मंत्रियों के साथ भी संबंधित मुद्दों पर बैठकें करेंगे। इसके अलावा वित्त मंत्रालय प्रधानमंत्री मोदी के सामने एक प्रजेंटेशन भी पेश करेगा। इस प्रजेंटेशन में अर्थव्यवस्था की स्थिति और इसे संभालने के लिए मंत्रालय की ओर से विचार किए जा रहे आगे के संभावित कदमों के बारे में बताया जाएगा। किसानों को आसान कर्ज देने पर जोर- इसके पहले प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र के मुद्दों और आवश्यक सुधारों के बारे में विचार विमर्श करने के लिए सुबह एक बैठक की। इसमें कृषि विपणन, विपणन योग्य अधिशेष के प्रबंधन, संस्थागत ऋण तक किसानों की पहुंच में सुधार लाने, कानून के उचित समर्थन सहित कृषि क्षेत्र को विभिन्न प्रतिबंधों से मुक्त किए जाने पर विशेष बल दिया गया। कृषि संबंधी बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए रियायती ऋण प्रवाह व किसानों को उचित आमदनी सुनिश्चित कराने के लिए कृषि उपज के अंतर-राज्य और अंतः राज्य व्यापार को सुगम बनाने जैसे कुछ महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा की गई। देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाने वाले सूक्ष्म,छोटे एवं मझौले उद्योगों को मजबूती देने के मुद्दे पर एक बैठक की अध्यक्षता की। इसमें विस्तार से चर्चा हुई कि कैसे इस क्षेत्र को ज्यादा आकर्षक बनाया जाए और इसे नए अवसर का लाभ उठाने के लिए किस तरह तैयार किया जाए।

NCR नई दिल्ली नोएडा गाज़ियाबाद

## गुरुग्राम ग्रेटर नोएडा फरीदाबाद ट्रांस हिंडन

**नई दिल्ली।** तबलीगी जमात प्रमुख मौलाना साद एक बार और कोरोना टेस्ट कराएंगे। मौलाना साद के वकील फूजेल अयूबी ने बताया कि क्राइम ब्रांच के कहने पर मौलाना दूसरा टेस्ट कराने को तैयार हैं। उधर, मौलाना की तरफ से सवालों के गोलमोल जवाब देने को लेकर क्राइम ब्रांच पांचवां नोटिस देने की तैयारी में है। क्राइम ब्रांच का कहना है कि जब तक हमारे सवालों के जवाब नहीं मिल जाते, तब तक हम उन्हें नोटिस भेजते रहेंगे।

**हम पूरा सहयोग दे रहे–** मौलाना के वकील अयूबी का कहना है कि अगर क्राइम ब्रांच चाहती है तो हम दूसरा टेस्ट भी कराएंगे। वैसे भी हम जांच एजेंसी के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। हम उनके हर नोटिस का जवाब भी दे रहे हैं। हमने उनके कहने पर ही मौलाना साद का कोविड-19 टेस्ट कराया था, जिसकी रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। उन्होंने कहा कि हम क्राइम ब्रांच को पूरा सहयोग दे रहे हैं। कुछ जवाब से जुड़े दस्तावेज भेजने हैं, जो आते ही भेज दिए जाएंगे।

**क्राइम ब्रांच नोटिस भेजेगी** – क्राइम ब्रांच का कहना है कि मौलाना को सूचित किया जा चुका है कि एम्स या फिर किसी मान्यता प्राप्त सरकारी लैब से कोरोना की जांच कराकर हमें रिपोर्ट सौंप दें। मगर मौलाना ने सरकारी लैब की टेस्ट रिपोर्ट नहीं सौंपी है। क्राइम ब्रांच का कहना है मौलाना ने कई सवालों के जवाब नहीं दिए हैं। इसके लिए हम उन्हें एक और नोटिस भेजने वाले हैं।

**इन सवालों के जवाब नहीं मिले–** क्राइम ब्रांच सूत्रों के मुताबिक, मौलाना साद द्वारा चौथे नोटिस में पूछे कई सवालों के जवाब अभी तक नहीं दिए गए हैं। क्राइम ब्रांच ने निजामुद्दीन मरकज से जुड़े कई दस्तावेजों व विभागों से जुड़े कर्मचारियों के बारे में सवाल पूछे थे। वेबसाइट के बारे में जानकारी मांगी थी। जैसे कि इस वेबसाइट को कौन हैंडल करता है और इस पर वीडियो कौन उपलोड करता है। इसके अलावा वेबसाइट कब शुरू की गई थी और इसके लिए वीडियो कौन बनाकर देता है। अब तक के जवाब गोल मोल से हैं। उधर, इस मामले की जांच टीम के तीन सदस्यों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने और अधिकतर सदस्यों के क्वारंटाइन होने का असर जांच पर पड़ सकता है।

**अब तक की तफ्तीश–** क्राइम ब्रांच ने दो बार मरकज, मौलाना साद के घर और शामली स्थित फार्म हाउस में छापेमारी की। इस दौरान जमात मुख्यालय के पदाधिकारियों, प्रशासनिक विभाग व बाकी यूनिट के कर्मचारियों समेत 47 लोगों से पूछताछ की गई और 40 लोगों के बयान दर्ज किए गएं। जमातसे जुड़े बैंक खाते समेत 11 अकाउंट को खंगाला गया।

## कोरोना से लड़ रहे योद्धाओं को सेना का सैल्यूट, अस्पतालों पर बरसाए फूल

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड़ने वाले योद्धाओं को आज (रविवार) भारतीय सेना सलामी दे रही है। सेना उन अस्पतालों पर हेलिकॉप्टर से फूल बरसा रही है, जहां कोरोना से संक्रमित मरीजों का इलाज हो रहा है। आपको बता दें कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने रविवार को कहा था कि हम सभी कोरोना योद्धा का शुक्रिया अदा करते हैं। डॉक्टर, नर्स, सफाईकर्मी, पुलिस, होमगार्ड, डिलिवरी ब्वॉय और मीडिया सरकार का संदेश जनता तक पहुंचा रहे हैं कि मुश्किल समय में भी जिंदगी को कैसे जारी रखना है।

## सम्पादकीय

### लॉकडाउन से बाहर आने का रोडमैप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह चुनौतीपूर्ण समय है। कई राज्य सरकारें और अधिकांश विश्लेषक चाहते हैं कि लॉकडाउन का काल और बढ़ाया जाए, क्योंकि नए मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब तो उन इलाकों में भी संक्रमण फैलने लगा है, जो कोरोना से बचे हुए थे। यह सही है कि अपने यहां संख्या ज्यादा होने या आंकड़ों की आधार-रेखा की वजह से संक्रमित मरीजों के दोगुने होने की दर 11 दिन से ज्यादा है, लेकिन आने वाले दिनों में नए मामले आते ही रहेंगे। लेकिन इसके साथ-साथ, 40 करोड़ से अधिक लोगों की आजीविका का मसला भी हमारे सामने है। जिस तरह से लोगों की आमदनी खत्म हुई है, उससे कई परिवारों के फिर से गरीबी रेखा के नीचे खिसकने का खतरा बढ़ गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग 65 फीसदी हिस्सा असंगठित क्षेत्र का है। उस पर से मुश्किल यह है कि 90 फीसदी से अधिक श्रम-बल अस्थाई है, जिसके पास सीमित कल्याणकारी अधिकार हैं। यदि जन-धन योजना (नकदी हस्तांतरण, जिससे किसान, ग्रामीण कामगार, गरीब पेंशनभोगी, निर्माण-कार्य करने वाले मजदूर, गरीब विधवा जैसी 35 करोड़ आबादी लाभान्वित हुई है) और आयुष्मान भारत (देश की 40 फीसदी जनसंख्या को पांच लाख रुपये तक मुफ्त चिकित्सा बीमा) जैसे कार्यक्रम नहीं चलाए गए होते, तो भारत आज एक भयावह स्थिति का सामना कर रहा होता। चूंकि हमारे यहां यूनिवर्सल बेसिक इनकम (न्यूनतम मासिक आय) या बेरोजगारी लाभ जैसी व्यवस्था नहीं है, इसलिए कमजोर आर्थिक स्थिति वाली आबादी की आमदनी जल्द सुनिश्चित करनी होगी, और इसके लिए अर्थव्यवस्था को फिर से गति देना बहुत आवश्यक है। प्रधानमंत्री के सामने अब बड़ा सवाल यह है कि लाखों भारतीयों के जीवन को खतरे में डाले बिना लॉकडाउन को कैसे खोला जाए? मेरे सह-लेखक मॉरिस कुगलर ने अमेरिका के लिए छह विकल्प तैयार किए हैं। हम चाहें, तो इन्हें भारत में भी लागू कर सकते हैं। इस महामारी को नियंत्रित करने का सबसे सुरक्षित तरीका यह है कि टीका विकसित होने तक लॉकडाउन को जारी रखा जाए और फिर सबको टीका लगाकर सुरक्षित कर दिया जाए। दूसरा, लॉकडाउन में छूट धीरे-धीरे दी जाए और जब तक इस महामारी की वक्र रेखा समतल स्थिति में आएगी, इसका स्वास्थ्य और आर्थिक व्यापार संतुलन, दोनों मध्य श्रेणी में आ जाएगा। तीसरा विकल्प दूसरे से ज्यादा कठोर है, जिसमें अधिक से अधिक लॉकडाउन खोलने की बात तो है, लेकिन यदि संक्रमण की दर बढ़ती है, तो फिर से पूर्णबंदी की जाए। चौथा विकल्प है, एंटीबॉडी टेस्ट किए जाएं और इसमें जो संक्रमित न पाए जाएं, उन्हें लॉकडाउन से आजाद कर दिया जाए। पांचवें विकल्प के तहत हर दो हफ्ते में पूरी आबादी की एक बार जांच करने की बात कही गई है। छठा विकल्प है, संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाना और जहां कहीं भी मामले सामने आएं, वहां व्यापक तौर पर जांच करना। भारत के लिहाज से बात करें, तो पहला विकल्प हम नहीं अपना सकते, क्योंकि टीका बनने में लंबा वक्त लग सकता है। इसी तरह, आर्थिक व व्यवस्थागत वजहों और पर्याप्त संख्या में जांच किट के न होने के कारण हम चौथे और पांचवें विकल्पों की ओर भी नहीं बढ़ सकते। तीसरे विकल्प के साथ दिक्कत यह है कि इसमें स्वास्थ्य-लागत बेशक दूसरे विकल्प से कम आएगी, लेकिन आर्थिक सुधार कहीं अधिक संदिग्ध और लंबा होगा। लिहाजा भारत के लिए एकमात्र व्यावहारिक रास्ता थोड़ा-बहुत संशोधन करते हुए दूसरे विकल्प और साथ-साथ छठे विकल्प को अपनाना हो सकता है। संशोधन यह कि लॉकडाउन को व्यापक पैमाने पर खोला जाए, लेकिन तमाम सुरक्षा उपायों में किसी तरह की कोताही न बरती जाए। चूंकि बच्चे और बुजुर्ग इस वायरस के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं, इसलिए इन आयु-समूहों को घरों में रखने का विकल्प भी हो सकता है। हालांकि भारत में यह संभव नहीं है, इसलिए भौगोलिक रूप से इसका निर्धारण करना सही तरीका हो सकता है। हॉटस्पॉट इलाकों की पहचान के साथ यह काम पहले से शुरू भी हो चुका है। इसी तरह, यदि कहीं कोविड-19 का संक्रमित मरीज पाया जाता है, तो बड़े पैमाने पर आम लोगों की जांच करने के साथ-साथ संक्रमित मरीज के संपर्क में आए लोगों की पहचान भी आवश्यक है। हॉटस्पॉट की अपनी सीमाएं हैं और हमें उन लोगों की पहचान करनी चाहिए, जो वायरस के वाहक हैं। इसलिए, आरोग्य सेतु एप का इस्तेमाल, और पर्याप्त संख्या में जांच किट, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) और वेंटिलेटर (स्थानीय कंपनियों से भी) की खरीद तेज करनी होगी। वैसे, संक्रमित मरीज के संपर्क में आए लोगों की खोज आसान काम नहीं। सिंगापुर भी ऐसे 20 फीसदी लोगों को खोजने में विफल रहा। मगर भारत के पास कोई दूसरा उपाय भी नहीं है। हालांकि लॉकडाउन से भारत का बाहर निकलना तभी सार्थक होगा, जब सरकार और रिजर्व बैंक असाधारण और गैर-परंपरागत नीतियों के साथ आगे बढ़ेंगे। भारत को राजकोषीय घाटे की चिंता नहीं करनी चाहिए, बल्कि कृषि और उद्योग में संरचनात्मक सुधार को तेज करना चाहिए। जैसे, कृषि-क्षेत्र के तहत बाजार को खोलना और वायदा कारोबार को बढ़ाना, जबकि उद्योग जगत के लिहाज से भूमि अधिग्रहण को आसान बनाना, नियुक्ति को प्रोत्साहित करना, कर-प्रणाली को आसान बनाना आदि। इसी तरह, रिजर्व बैंक द्वारा मौद्रिक नीति में राहत देने के बावजूद बैंक कर्ज देने में सक्षम नहीं होंगे, क्योंकि एनपीए यानी डूबत कर्ज काफी ज्यादा है। इस मामले में हमें अमेरिका के फेडरल रिजर्व से सीखना चाहिए, और जिस तरह वह जोखिम वाले कॉरपोरेट बॉन्ड खरीद रहा है, आरबीआई को भी सरकार के साथ मिलकर एक सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई बनानी चाहिए, जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को उनके कुछ शेयर लेकर अपने कर्ज कम करने के लिए पूंजी दे। एक बार जब कंपनी फिर से खड़ी हो जाएगी, तो उन शेयरों को बेचकर लागत निकाली जा सकती है।

# भारत के भविष्य से जुड़ा एक सवाल

**कुछ निराशावादी व्यंग्य से पूछते हैं कि गांवों में ऐसा होगा कैसे? ऐसा कहते वक्त वे अपने आसपास की दुनिया से आंखें मूंद लेते हैं। हमारे शहरों और कस्बों में ऐसी कहानियां बिखरी पड़ी हैं, जिनसे रोशनी ग्रहण की जा सकती है। सफलता की एक ऐसी ही गाथा आपसे बांटना चाहता हूं। कुछ साल पहले मैं नैनीताल के गांव में पैदल बाजार जाने के लिए निकला था। मेरे एक मित्र भी साथ में थे। हम सड़क के उस मोड़ पर थे, जहां से विकट चढ़ाई शुरू हो रही थी। मेरे दोस्त उम्र में मुझसे बड़े हैं और वह हांफ चले थे। उन्होंने कुछ देर रुकने का इशारा किया और हम दोनों खड़े हो गए। दो मिनट ही बीता होगा कि एक कार हमारे सामने से गुजरी और कुछ दूर आगे जाकर रुक गई। उसका चालक सुदर्शन नौजवान था, जो मेरे मित्र का परिचित था। उन्हें आदरपूर्वक प्रणाम करते हुए उसने विनम्रता से पूछा कि सर, आपको कहीं छोड़ दूं? संयोग से हमारी मंजिल एक थी। हम उसके साथ बाजार तक हो लिए। रास्ते में मित्र ने परिचय कराते हुए बताया कि यह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर गांव लौट आए और यहां इन्होंने फूलों की खेती शुरू कर दी। इसके साथ ही दवा की एक दुकान भी खोल रखी है, जिसे पत्नी के साथ मिलकर चलाते हैं। बात चल निकलने पर नौजवान ने बताया कि अब वह 'नौकर से मालिक' बन चुका है। आसपास के तमाम पुरुष और स्त्रियां उसके यहां काम करते हैं। मैंने उससे पूछा कि यह कैसे किया? मुस्कराते हुए उसने कहा कि सर, जो रास्ता गांव से शहर को जाता है, वही शहर से गांव की ओर भी आता है। चेहरे पर उभरती मुस्कराहट को रोकते हुए मैंने उसे बताया नहीं कि जिस धारावाहिक का यह संवाद है, उसे मैंने देख रखा है। बताने की जरूरत भी क्या थी?**

जो लोग यह उम्मीद लगाए बैठे थे कि किसी परी-कथा की तरह सरकार जादू की छड़ी घुमाएगी और लॉकडाउन खुल जाएगा, उन्हें स्वाभाविक तौर पर निराश होना पड़ा है। इस कारुणिक काल की सबसे बड़ी सीख यही है कि यह महामारी अब कम से कम कुछ महीनों के लिए हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। हमें इससे जूझते हुए इसके साथ रहना सीखना होगा। कुछ लोग लॉकडाउन को अनावश्यक बताते रहे हैं। वे कृपया उन देशों के आंकड़ों पर नजर डाल लें, जहां यह उपाय देरी से लागू किया गया और उन्हें भयावह नतीजे भुगतने पड़े। अमेरिका और इंग्लैंड इसके जीते-जागते उदाहरण हैं। ऐसा लगता है कि तीसरे चरण तक आते-आते सरकार को भी इस समस्या के तात्कालिक समाधान सूझने लगे हैं। इसीलिए ऑरेंज और ग्रीन जोन को कई तरह की छूट से नवाजा गया है। यह वैसा ही है, जैसे कि लंबी बीमारी के बाद मरीज को हल्का भोजन दिया जाता है और धीरे-धीरे समूची खुराक तक पहुंचने में मदद की जाती है। इन उपायों को लागू करने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन को दी गई है। जहां कंटेनमेंट जोन बनाने की मजबूरी हो, उसके आसपास कितने स्थानों को खोलना है, यह फैसला स्थानीय स्तर पर होगा। इतनी विविधताओं और विषमताओं वाले देश में इलाकाई हुकूमतों और प्रशासन पर भरोसा करने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं। जिस पहली मई को यह फैसला किया गया, उसे समूची दुनिया में श्रमिक दिवस के नाम से जाना जाता है। हम उस दिन श्रमिकों को बधाई देना तो दूर, उनके आंसू तक न पोंछ सके। कोरोना देश के मजदूरों और मजलूमों के लिए सर्वाधिक दारुण संकट लेकर आया है। लंबे लॉकडाउन ने इनकी जिंदगी तो बचाई, पर जहान से बेदखल कर दिया है। गांवों और छोटे कस्बों में पर्याप्त रोजगार नहीं हैं। परंपरागत खेती-किसानी अपनी छोटी जोतों और अन्य दिक्कतों के चलते भू-स्वामियों को भी पलायन के लिए विवश करने लगी है। ऐसे में, अपना घर-बार छोड़कर अपने ही देश में जलावतनी की मजबूरी सहने वालों को एक बार फिर इसका शिकार होना पड़ रहा है। हम अपनी विकास गाथाओं पर कितना भी इतराएं, लेकिन यह सच है कि 90 फीसदी से अधिक लोग असुरक्षित आर्थिक वातावरण में जीवन-यापन के लिए मजबूर हैं। ऐसे लोग महानगरों के दरबों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के आसपास झोपड़पट्टियों में लॉकडाउन के बाद से किसी तरह जिंदगी काट रहे थे। सरकार ने उन्हें वापस गांव जाने की इजाजत दे दी है। कई 'श्रमिक स्पेशल ट्रेन' गंतव्य तक पहुंच भी चुकी हैं। हो सकता है, आने वाले दिनों में ऐसे और इंतजामात किए जाएं। सवाल उठता है, परदेस में भय और भूख से जूझते ये लोग अपने गांवों तक तो पहुंच जाएंगे, पर वहां करेंगे क्या? वहां हालात अगर अनुकूल होते, तो उन्हें भला इतनी दूर जाकर हाड़-तोड़ मेहनत करने की जरूरत क्या थी? कहते हैं, संकट की हर बेला कुछ समाधान साथ लाती है। यही समय है, जब हमारी राज्य सरकारें मृतप्राय हस्त-शिल्प, कृषि आधारित उद्योगों और मनरेगा जैसी योजनाओं को गति दें। 'मेक इन इंडिया' को परवान चढ़ाने का सटीक मौका भी यही है। इससे सारे लौटे हुए लोगों को रोजगार भले ही न मिल सके, पर अनुकूल वातावरण तो तैयार होगा ही, जिसके परिणाम दूरगामी होंगे।

कुछ निराशावादी व्यंग्य से पूछते हैं कि गांवों में ऐसा होगा कैसे? ऐसा कहते वक्त वे अपने आसपास की दुनिया से आंखें मूंद लेते हैं। हमारे शहरों और कस्बों में ऐसी कहानियां बिखरी पड़ी हैं, जिनसे रोशनी ग्रहण की जा सकती है। सफलता की एक ऐसी ही गाथा आपसे बांटना चाहता हूं। कुछ साल पहले मैं नैनीताल के गांव में पैदल बाजार जाने के लिए निकला था। मेरे एक मित्र भी साथ में थे। हम सड़क के उस मोड़ पर थे, जहां से विकट चढ़ाई शुरू हो रही थी। मेरे दोस्त उम्र में मुझसे बड़े हैं और वह हांफ चले थे। उन्होंने कुछ देर रुकने का इशारा किया और हम दोनों खड़े हो गए। दो मिनट ही बीता होगा कि एक कार हमारे सामने से गुजरी और कुछ दूर आगे जाकर रुक गई। उसका चालक सुदर्शन नौजवान था, जो मेरे मित्र का परिचित था। उन्हें आदरपूर्वक प्रणाम करते हुए उसने विनम्रता से पूछा कि सर, आपको कहीं छोड़ दूं? संयोग से हमारी मंजिल एक थी। हम उसके साथ बाजार तक हो लिए। रास्ते में मित्र ने परिचय कराते हुए बताया कि यह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर गांव लौट आए और यहां इन्होंने फूलों की खेती शुरू कर दी। इसके साथ ही दवा की एक दुकान भी खोल रखी है, जिसे पत्नी के साथ मिलकर चलाते हैं। बात चल निकलने पर नौजवान ने बताया कि अब वह 'नौकर से मालिक' बन चुका है। आसपास के तमाम पुरुष और स्त्रियां उसके यहां काम करते हैं। मैंने उससे पूछा कि यह कैसे किया? मुस्कराते हुए उसने कहा कि सर, जो रास्ता गांव से शहर को जाता है, वही शहर से गांव की ओर भी आता है। चेहरे पर उभरती मुस्कराहट को रोकते हुए मैंने उसे बताया नहीं कि जिस धारावाहिक का यह संवाद है, उसे मैंने देख रखा है। बताने की जरूरत भी क्या थी? धारावाहिक के अभिनेता ने तो पेशेवर तौर पर यह संवाद बोला था, मगर इस शख्स ने उसे चरितार्थ कर संवाद से मुहावरा बना दिया है। मैं सोचने लगा कि नवीनतम संचार संसाधनों और सड़कों के फैलते जाल ने ऐसे नौजवानों के लिए कई दरवाजे खोल दिए हैं। अब वे घर बैठे इंटरनेट के जरिए दुनिया से संपर्क कायम कर सकते हैं और अपने माल को निकटस्थ रेलवे स्टेशन या अन्य वांछित जगहों पर पहुंचा सकते हैं। यह स्थिति साल-दर-साल सुधरनी ही है। अगर राज्य सरकारों, जन-प्रतिनिधियों और आम आदमी की आकांक्षाओं के बीच तालमेल बैठ जाए, तो हालात बदल सकते हैं। आप चाहें, तो कह सकते हैं कि हर आदमी इतनी तकदीर या तदबीर वाला नहीं होता, पर यह सच है कि जागृत कौमों ने संकट के सर्वाधिक कठिन क्षणों में ऐसे फैसले किए, जो आगे चलकर नजीर बन गए। यह तो अब हमें देखना है कि कोरोना सिर्फ आपदा लेकर आया है या उसके पीछे कुछ अवसर भी छिपे हैं? इस प्रश्न का उत्तर ही भारत का भविष्य तय करेगा।

# कोरोना के साये में बिगड़ी श्वेत क्रांति की सेहत

भारत में हर दिन करीब 50 करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है, इसमें से 20 करोड़ लीटर दूध किसान अपने इस्तेमाल के लिए खुद के पास रखता है, जबकि 10 करोड़ लीटर दूध विभिन्न सहकारी समितियों के माध्यम से बेचता है। शेष 20 करोड़ लीटर दूध को किसान सीधे गली-मुहल्ले की चाय की दुकानों, होटलों, मिठाई बनाने वालों को बेचता है। इससे उसके रोजमर्रा के घरेलू खर्च निकलते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि कोरोना महामारी के कारण ग्राहकों तक दूध की पहुंच प्रभावित हुई है। बाजार पूरी तरह बंद हैं। जाहिर है, जिस 20 करोड़ लीटर दूध पर किसानों की दैनिक आय टिकी थी, उसका बाजार अब साफ हो चुका है। मोटा अनुमान है कि बीते एक महीने में दुग्ध उत्पादक किसानों को करीब 60 अरब रुपये का घाटा लग चुका है। भारत में दुग्ध उत्पादन दुनिया का लगभग 20 फीसदी है। इस दूध का कोई 30 प्रतिशत हिस्सा हर दिन मिठाई, दही आदि में इस्तेमाल होता है। कुछ दूध का पाउडर बनता है। लगभग सात लाख करोड़ रुपये के सालाना व्यवसाय वाले दूध पर कोरोना की काली छाया ऐसी पड़ी है कि इससे देश में पौष्टिक आहार की उपलब्धता प्रभावित हुई है। आवारा मवेशियों की समस्या बढ़ी है। दूध के कारोबार में लगे करीब दस करोड़ लोगों के सामने जीविका और भोजन का संकट पैदा हो गया है। देश में दूध देने वाले करीब 12.53 करोड़ गाय-भैंस हैं और बगैर कमाई के इन मवेशियों का पेट भरना छोटे किसानों के लिए बेहद कठिन होता जा रहा है। उत्तर प्रदेश देश में सबसे ज्यादा किसानों और दूध देने वाले पशुओं का पालक राज्य है। फरवरी महीने तक यहां एक नंबर का दूध 40 से 50 रुपये प्रति लीटर था, जो आज 15 से 20 रुपये लीटर बड़ी मुश्किल से बिक रहा है। लॉकडाउन और उसी दौरान असमय बरसात के चलते फसल कटाई में देरी हो रही है, सो नया भूसा भी नहीं आ पा रहा। ऐसे में, मवेशियों को भरपेट चारा नहीं मिल पा रहा है। सनद रहे कि उत्तर प्रदेश पहले से ही आवारा पशुओं की समस्या से परेशान है और कोरोना की आपदा ने इस समस्या को दोगुना कर दिया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छोटे-छोटे गांवों में खोया बनाने की भट्ठियां लगी हैं, जो हर दिन कई हजार लीटर दूध लेती हैं। शामली-बागपत से चार बजे सुबह कई ट्रक-टेंपों चलते थे, जिनमें केवल खोये की टोकरियां लदी होती थीं। ऐसे सभी गांवों में इस समय सन्नाटा और भुखमरी की चहलकदमी है। उधर, पंजाब और हरिद्वार के पास दूध बहा देने की भी खबरें हैं। झारखंड में सामान्य दिनों में दूध की खरीदी एक लाख पैंतीस हजार लीटर होती है, जो आज घटकर 70 से 72 हजार लीटर रह गई है।

## दिल की बात

हो तुम भारत के ये हर बार भूल जाते हो,
धर्म के नाम पर ही लड़ते रह जाते हो,
चंद पैसो के लिए आपना इमान बेच आते हो,
सनसनी मुद्दे को कुछ पल के लिए सिर्फ स्टेटस पर लगते हो,
हो अगर बात बड़ी तो सड़को पर
कैंडल पकड़े नजर आते हो,
सोशल मीडिया पर ही सिर्फ तुम देशभक्ति दिखाते हो,
असल मे तो राष्ट्र गान पर भी तुम बैठे रह जाते हो,
तिरंगा सिर्फ तुम डीपी मे दिखाते हो,
सड़क पर गिरे झण्डे को तो इग्नोर कर आगे बढ़ जाते हो,
आजाद,कलाम,भगत, स्वामी जी को तुम भुल जाते हो,
टीवी और टिक टॉक के स्टार को गुगल मे सर्च कर आते हो,
एकता भी इन्सटा और ट्विटर पर ही दिखती है,
बाद मे तो सिर्फ तुम दंगे भडकाते हो,
आजादी और संविधान की बात हर बार करते हो,
जिसने दिलाई आजादी, संविधान जिसने बनाया
हर बार तुम उनको भूल जाते हो,
सिर्फ सोशल मीडिया के जाल मे ही फंस कर रह जाते हो,
खुद के इतिहास की खबर नही तुमको,
ओरे के जीवन मे उंगली करते जाते हो,
सब कुछ मिलता है तुमको,
और तुम हो की बस कमी निकलने मे वक्त आपना गवाते हो,
सोशल मीडिया मे ही तुम सिमित रह जाते हो।

नाम-साक्षी देवांगन
पता- मनेन्द्रगढ़ कोरिया(छ.ग.)

## कोरोना

कोरोना ने आज करा दिया सबको ये एहसास।
धन दौलत सब मिथ्या,ना रहेगा कुछ भी पास।।
जीवन मे सब कर लो , अब प्रभु से ये अरदास।
सबको रखना सुरक्षित,सबको अपनो के पास।।
सबकुछ अब तुम त्याग दो,करो घर मे निवास।
कोरोना अगर हो गया , कोई ना आयेगा पास।।
आपस की दूरी बढ़ी , जब बढ़ी दौलत की प्यास।
मौत के एक एहसास ने किया सबको पास-पास।।

**नीरज त्यागी**
**ग़ाज़ियाबाद( उत्तर प्रदेश ).**
**मोबाइल 09582488698**

# गरीबों की उच्च शिक्षा का क्या होगा

पिछले सौ वर्षों में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो तरक्की हुई, उसने विश्व-स्तर पर मानव सभ्यता को चहुंमुखी प्रगति प्रदान की। मगर विगत मार्च से उच्च शिक्षा की तरक्की का यह पहिया एकदम थम-सा गया है। यूनेस्को के अनुसार, आज 191 देशों में 25 करोड़ नौजवान उच्च शिक्षा से और लगभग 120 करोड़ बच्चे स्कूली शिक्षा के पारंपरिक रूप से वंचित हो गए हैं। जाहिर है, इस महामारी ने जितना नुकसान दुनिया की अर्थव्यवस्था, कारोबार, रोजगार, कृषि और आवागमन को पहुंचाया है, इससे कहीं ज्यादा नुकसान उसने उच्च शिक्षा और स्कूली शिक्षा का किया है। भारत में भी कोरोना के कारण 16 मार्च से उच्च शिक्षा की तेज रफ्तार थम गई है। देश भर के एक हजार विश्वविद्यालयों और 55 हजार महाविद्यालयों में सन्नाटा छा गया है। उच्च शिक्षा पर आए इस भीषण संकट का, जो एक सुनामी या भूकंप की तरह है, समाज के अलग-अलग वर्गों पर अलग-अलग तरह से असर पड़ेगा। समाज का संपन्न वर्ग तो इस स्थिति का मुकाबला आसानी से कर लेगा, क्योंकि इस तबके के अभिभावकों के पास अपने बच्चों को घर पर रखकर पढ़ाई कराने के समुचित साधन उपलब्ध हैं। मगर समस्या उस मध्य वर्ग और निम्न वर्ग की है, जिनके पास न तो पर्याप्त आर्थिक साधन हैं और न ही ऐसे संपर्क सूत्र, जो अच्छे कॉलेजों में उनके बच्चों को दाखिला दिलाने में मददगार हों। इन वर्गों की समस्या इसलिए भी गहरा गई है, क्योंकि इनके रोजगार और व्यवसाय पर कोरोना का भयंकर असर पड़ा है। ऐसे मां-बाप लंबे अरसे से रात-दिन मेहनत करके अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने की कोशिश करते रहे हैं। उन्हें उम्मीद रहती है कि उनकी संतान अच्छे कॉलेज या यूनिवर्सिटी में दाखिला लेकर अच्छी नौकरी हासिल करेगी। मगर अब ऐसे करोड़ों परिवारों में चिंता, संताप और निराशा की स्थिति है, क्योंकि उन्हें नहीं मालूम कि उच्च शिक्षा का अब क्या होगा और कोविड-19 संकट की समाप्ति के बाद उच्च शिक्षा कैसे चलेगी? इस महामारी ने दुनिया के ज्यादातर देशों की तरह भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह से भारी नुकसान पहुंचाया है, उसके कारण मध्य वर्ग और गरीब तबके के करोड़ों परिवारों को लगने लगा है कि जिंदा रहने के लिए ही जब जरूरी खर्चों का इंतजाम करना भारी पड़ रहा है, तो फिर पढ़ाई-लिखाई के लिए धन कहां से जुटाएंगे? बहुत से परिवार सरकारी और निजी बैंकों से शिक्षा-ऋण लेकर काम चला लेते थे, लेकिन लॉकडाउन की वजह से अब इसमें भी कई रुकावटें हैं।

## लघुकथा-लॉकडाउन

मध्यप्रदेश का छोटा सा गांव पिपली जिसमे गांव के चर्चित व्यक्ति हीरा के मकान में रात के घोर अंधेरे में थोड़ा सा उजाला खपरैल से चमकता नज़र आया।हीरा के घर पर आज लड़ाई झगड़े की आवाज़ आई। उसकी पत्नी सुशीला उसको गुस्से में फटकारने लगी। बेटे को कोटा कोचिंग छोड़ आये। वह रोज फोन कर रहा। उसे गाँव ले आओ। हीरा बोला अरे सुशीला तुम समझती क्यों नहीं कोटा नहीं जा सकते हम। लोक डाउन में घर पर ही रहने की सरकार ने बोला है। घर पर रहो सुरक्षित रहो। पर अशोक के पापा जी हम दोनों तो सुरक्षित रह रहे पर बच्चे पर क्या गुजर रही होगी। उसको तो खाना बनाना भी नहीं आता। टिपिन वाले ने आना जाना बंद कर दिया। वह भूखा प्यासा होगा। क्या गुजर रही होगी उस पर। लो मोबाइल पर बात कर लो। अरे मुझे याद ही नहीं रहा इसमें पैसे नहीं रहे। बात भी नहीं कर सकते। अब सो भी जाओ सुबह बात करेंगे अशोक से। सुबह पडौसी घनश्याम ने हीरा व सुशीला की अशोक से बात कराई। वह बोला माँ चिन्ता न करो हम आज कोटा से आ रहे है गांव । बस द्वारा आएंगे। राजस्थान सरकार ने विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश पहुंचाने का पूरा इंतजाम किया है। शाम तक घर आ जाऊँगा। आज बेटे के घर आने की खुशी में दोनों ने भगवान की अलमारी में ठाकुर जी को ढोग लगाया। दोनो की हँसी फुट पड़ी।

**स्वरचित**
**डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित**
**भवानीमंडी**

## रेसिपी

### हेल्दी बेक्ड जुकीनी फ्राई

#### सामग्री

4 जुकीनी, 1/2 कप परमेसन चीज,1/2 छोटा चम्मच सूखा थाइम , छोटा चम्मच ओरिगैनो, छोटा चम्मच सूखी बेसिल, 1/4 छोटा चम्मच लहसुन पाउडर, 2 बड़े चम्मच औलिव औयल, 2 बड़े चम्मच पार्सले कटी, नमक व कालीमिर्च स्वादानुसार

#### विधि

जुकीनी को धो कर लंबे व छोटे टुकड़ों में काट लें. एक ग्रिल को बेकिंग ट्रे में लगाएं और नौनस्टिक स्प्रे लगा कर अलग रखें. एक बाउल में जुकीनी, औलिव औयल और पार्सले छोड़ कर बाकी सारी सामग्री मिलाएं। जुकीनी के टुकड़ों को बेकिंग ट्रे में लगाएं और ऊपर से तैयार मिश्रण व औलिव औयल डाल कर 180 डिग्री सैंटीग्रेड पर पहले से गरम ओवन में सुनहरा होने तक बेक करें. पार्सले से सजा कर तुरंत सर्व करें.

### मीठे में बनाएं चौकलेट संदेश

#### सामग्री

1 किलोग्राम ताजा छेना, 250 ग्राम चीनी, 100 ग्राम लिक्विड चौकलेट, 30 ग्राम कोको पाउडर,30 ग्राम ड्रिंकिंग चौकलेट पाउडर

#### विधि

छेना और चीनी को एकसाथ मिला कर कड़ाही में चढ़ा कर लगातार चलाते हुए इस का पूरा पानी सुखा लें. इसे एक ट्रे या थाली में निकाल लें और ठंडा होने दें. चौकलेट संदेश बनाने के लिए इस में लिक्विड चौकलेट और कोको पाउडर डाल कर अच्छी तरह गूंधते हुए मिला लें. एक चौकोर ट्रे में घी लगा कर मिश्रण को जमा दें. अब ड्रिंकिंग चौकलेट पाउडर ऊपर से एकसमान डाल कर अच्छी तरह फैला दें. फिर चौकोर आकार में काट लें.

# पहली पत्नी को तलाक देकर हितेन ने गौरी से रचाई थी दूसरी शादी !

**टीवी की दुनिया कई कपल्स हैं जो खूब चर्चा में रहते हैं। इन्हीं में से एक नाम है गौरी प्रधान और हितेन तेजवानी का। इन दोनों ही टीवी की दुनिया में अपनी अलग छाप छोड़ी है। दोनों की शादी को 16 साल हो गए हैं। लॉक डाउन के दौरान दोनों ने घर में केट काटकर एनिवर्सरी मनाई।**

हितेन-गौरी की लवस्टोरी टीवी की मशहूर प्रेमकहानियों में से एक है। दोनों ने साल 2004 में शादी की थी। इनकी शादी मराठी और सिंधी रीति रिवाज से हुई थी। साल 2009 में ये दोनों नेवान और कात्या नाम के जुड़वा बच्चों के पिता बने । इनका एक बेटा और बेटी है। हितेन शुरूआत से ही एक्टर बनना चाहते थे। अपनी पढ़ाई कं प्लीट करने के बाद हितेन ने मॉडलिंग में अपना इंट्रस्ट दिखाया। जिसके बाद हितेन को कुछ लोकल ब्रांड्स में काम करने का मौका मिला । इसी दौरान साल 1999 में हितेन को एक ऐड शूट के लिए बैंगलोर जाना था। बस वहीं एयरपोर्ट पर हितेन की मुलाकात गौरी प्रधान से हुई। पहली मुलाकात मानो हितेन का दिल चुरा ले गई हो। इस मुलाकात के बाद दोनों ने 6 महीने तक एक दूसरे से बात तक नहीं की थी ।

इसके बाद दोनों सीरियल कुटुंब के सेट पर मिले, जहां गौरी को हितेन का चुलबुला नेचर पसंद नहीं आया और वे हितेन से बात तक नहीं करती थीं । एकता ने इन दोनों एक साथ इसलिए कास्ट किया था क्योंकि इनका वो एड हिट हो गया था । एकता भी नए चेहरों की तलाश में रहती हैं । इसीलिए उन्होंने हितेन और गौरी को एक साथ कास्ट करने का मना बनाया था । कुटुंब में इन दोनों ने कमाल कर दिया । दोनों की जोड़ी को घर घर में पसंद किया । वहीं एकता ने दोनों को दो औ? सीरियल घर एक मंदिर और दूसरा क्योंकि सास भी कभी बहू थी के लिए साइन किया । वहीं कुटुंब के दौरान गौरी औ? हितेन में धीरे धीरे बाचचीत होनी शुरू हो गई । दोनों शूटिंग के दौरान ही एक दूसरे को पसंद करने लगे । दोनों की मुलाकातों का सिलसिला भी बढ़ने लगा और इनकी दोस्ती, प्यार तक पहुंची । इसी के बाद एक दिन हितेन ने गौरी को शादी के लिए प्रपोज कर दिया । हितेन ने गौरी को अपनी पहली शादी के बारे में बता दिया था । उनकी ये शादी कुछ महीने ही चली क्योंकि हितेन को लड़की पसंद नहीं थी और घरवालों की जबरदस्ती से उन्हें शादी करनी पड़ी थी । बाद में हितेन ने उस लड़की को तलाक दे दिया था ।

आपको बता दे कि उनकी पहली शादी महज 11 महीने चली थी। खुद हितेन ने इस बात का खुलासा 2005 में एक इंटरव्यू में किया था। हितेन की पहली पत्नी का नाम कभी मीडिया में नहीं आया। लेकिन रिपोर्ट्स में यह आ चुका है कि 2001 में उनका तलाक हुआ था। हितेन ने एक इंटरव्यू में यह बात कबूल की थी कि पहली पत्नी से तलाक के लिए वे खुद जिम्मेदार थे। उन्होंने कहा था कि कम्युनिकेशन गेप की वजह से कपल के बीच दूरियां बढ़ी थीं। सीरियल्स की शूटिंग में बिजी हितेन अपनी वाइफ को वक्त नहीं दे पाते थे। हितेन ने एक इंटरव्यू में कहा था, जब मैंने पहली शादी की, तब मेरे करियर की शुरूआत हुई थी। इस वजह से मैं पत्नी को वैसा समय नहीं दे पा रहा था, जिसकी वह हकदार थी। अरेंज मैरिज में प्यार शादी के बाद हो जाता है। लेकिन मेरे केस में ऐसा नहीं हो पाया। इस वजह से हमने अपनी 11 महीने की शादी को खत्म करने के फैसला लिया। हितेन की मानें तो तलाक के बाद वे कभी पहली पत्नी के टच में नहीं रहे। हितेन की पहली पत्नी कौन थीं, अब क्या कर रही हैं? यह जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन 2005 में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, उस वक्त वे मलाड में रहती थीं और एक कॉल सेंटर में जॉब करती थीं।

## स्मृति खन्ना ने शेयर की अपनी नन्ही परी की नई तस्वीर

'मेरी आशिकी तुम से ही' फेम स्मृति खन्ना हाल ही में 15 अप्रैल को मां बनी हैं, पेरेंट्स बनने के बाद से ही स्मृति और उनके हसबैंड गौतम गुप्ता की खुशी का ठिकाना नहीं है। अब स्मृति ने अपनी और अपनी बेटी के साथ की एक बेहद प्यारी पिक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट की है। इस तस्वीर में स्मृति नन्ही परी को किस करती नजर आ रही हैं और इस दौरान स्मृति के चेहरे की खुशी भी साफ देखी जा सकती है। इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए स्मृति ने काफी प्यारा कैप्शन दिया है। स्मृति ने लिखा- तुम जिस दिन इस दुनिया में आई, वैसा दिन आज तक मेरी लाइफ में नहीं आया... मुझे अपनी मां के तौर पर चुनने के लिए तुम्हारा शुक्रिया। मैं आपसे प्यार करने और अपनी अंतिम सांस तक आपकी रक्षा करने का वादा करती हूं। दरअसल, स्मृति खन्ना ने 15 अप्रैल को एक बेटी को जन्म दिया, जिसकी जानकारी स्मृति ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए ही दी थी। एक पिक शेयर करते हुए स्मृति ने लिखा था- हमारी नन्ही परी आ चुकी है। पिक में स्मृति खन्ना के हब्बी गौतम गुप्ता भी नजर आए थे। स्मृति के इस पोस्ट पर टीवी और बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई लोगों ने बधाई दी। आपको बता दें कि स्मृति खन्ना बालिका वधु में भी नजर आ चुकी हैं। डिलीवरी के 8 दिन बाद स्मृति ने एक और पिक शेयर की थी, जिसमें उनका बैली फैट बिल्कुल भी नजर नहीं आया। स्मृति की इस पिक को देख फैन्स काफी शॉक हुए और स्मृति को ट्रोल का शिकार होना पड़ गया। बता दें, स्मृति और गौतम की मुलाकात टीवी सीरियल मेरी आशिकी तुम से ही के दौरान हुई थी। पहले दोनों अच्छे दोस्त बने। बाद में, गोवा में गौतम ने स्मृति को शादी के लिए प्रोपोज किया, और दोनों ने 23 नवंबर 2017 को परिवार और कुछ खास दोस्तों की मौजूदगी में शादी कर ली, और अब दोनों के घर नन्ही परी आ चुकी है जिसके आने से दोनों का परिवार पूरा हो गया है।

## 15 साल बाद शाहरुख की फिल्म स्वदेश की तस्वीरें हो रही है क्यों वायरल

15 साल पहले रिलीज हुई थी फिल्म स्वदेश शाहरुख खान की फिल्म स्वदेश साल 2004 में रिलीज हुई । स्वदेश एक अच्छी फिल्म थी लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये ज्यादा चली नहीं। आशुतोष गोवारिकर निर्देशित फिल्म 'स्वदेश को समीक्षकों ने बहुत सराहा था। लॉकडाउन के वजह से कई बॉलीवुड की थ्रोबैक तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करने का ट्रेंड चल रहा है और हाल ही में निमार्ता सुनीता गोवारिकर ने अपने सोशल मीडिया पर 'स्वदेश' की भी कुछ तस्वीरें साझा की है। फिल्म में शाहरुख खान ने नासा इंजीनियर का किरदार निभाया था। फिल्म में शाहरुख खान का किरदार मोहन का था जो कि नासा में प्रोजेक्ट मैनेजर था। मोहन अपनी अपनी कावेरी अम्मा को लेने इंडिया आता है। कावेरी अम्मा ने मोहन की बचपन में देखभाल की थी ।जब वो गांव आता है तो वहां की हालत देक नासा छोड़ हमेशा के लिए अपने देश लौट जाता है। फिल्म में गायत्री जोशी ने फीमेल लीड रोल निभाया था। तस्वीरों में आप एक वैन देख सकते हैं जिसमें शाहरुख ने यूंही चला चल राही' सॉन्ग की शूटिंग की थी। इन थ्रोबैक तस्वीरों ने सारे पुराने पलों को ताजा कर दिया है । आशुतोष गोवारिकर इंडियन फि ल्म इंडस्ट्री के एक जाने-माने डायरेक्टर हैं। वो इंडस्ट्री के उन चंद डायरेक्टर्स में शामिल हैं जो इतिहास पर फि ल्म बनाना पसंद करते हैं। इसकी बानगी आपको लगान, जोधा अकबर, मोहन जो दाड़ो जैसी फि ल्मों में देखने को मिली होगी। आशुतोष की फिल्म स्वदेश जैसी उम्दा फिल्में उनके खाते में दर्ज है। आशुतोष गोवारिकर ने फिल्म कभी हां कभी ना में शाहरुख खान के साथ काम किया था। फिल्म में वो शाहरुख के दोस्त के रोल में थे।

## सलमान कराएंगे पुलकित सम्राट और कृति खरबंदा की शादी !

सलमान खान बहुत जल्द कराने जा रहे हैं एक्टर पुलकित सम्राट और कृति खरबंदा की शादी। जी हां, सही सुना आपने अब पुलकित सम्राट और कृति खरबंदा के बीच की नजदीकियां किसी से छिपी नहीं है। दोनों अपने रिलेशनशिप के सबूत कई बार दे भी चुके हैं । फिलहाल दोनों एक साथ लॉक डाउन में एक साथ रह रहे हैं। अब सलमान खान ने इन दोनों की शादी की जिम्मेदारी भी ले ली है लेकिन ये शादी सलमान रियल लाइफ में नहीं बल्कि रील लाइफ में कराएंगे। दरअसल सलमान खान अपने प्रोडक्शन हाउस के अंडर एक फिल्म बनाने जा रहे हैं जिसका नाम बुलबुल मैरिज हॉल होगा । फिल्म में यह रियल लाइफ कपल शादी के बंधन में बंधा हुआ नजर आएगा। वैसे आपको बता दें कि सलमान पुलकित से पिछले काफी वक्त से नाराज चल रहे थे । लेकिन अब लग रहा है कि दोनों के बीच सब ठीक है । बता दें कि सलमान की नाराजगी की वजह पुलकित का सनम रे की को स्टार यामी गौतम के साथ उनका लिंकअप होना था जिसके चलते उन्होंने सलमान की राखी सिस्टर श्वेता से तलाक लिया था। सलमान ने खुद श्वेता रोहिरा का कन्यादान किया था। दोनों के तलाक के वो दुखी थे। वक्त के साथ लगता है सलमान ने पुलकित को माफ कर दिया है। सलमान खान प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2020 से शुरू होनी थी, लेकिन लॉक डाउन की वजह से फिल्म की शूटिंग टल गई है । फिल्म में सुनील ग्रोवर मस्ती का फ्लेवर ऐड करते हुए नजर आएंगे । सुनील पुलकित के भाई का रोल अदा करेंगे। वैसे भी सुनील सलमान के काफी क्लोज माने जाते हैं। भारत में भी दोनों की बॉन्डिंग हर किसी को पसंद आई थी और एक बार फिर सलमान अपनी फिल्म में मिस्टर ग्रोवर को काम करने का मौका दे रहे हैं। खबर है फिल्म को रोहित नैयर डायरेक्ट कर सकते हैं और फिल्म के डायलॉग के लिए राज शांडिल्य को अप्रोच किया गया है । रियल लाइफ कपल पुलकित और कृति को बड़े पर्दे पर देखना फैंस के लिए भी किसी विजुअल ट्रीट से कम नहीं होगा और उसके ऊपर फिल्म पर सलमान खान का हाथ सोने पर सुहागा होने वाला है। कृति और पुलकित काफी टाइम से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों लॉक डाउन में क्वॉरेंटाइन टाइम को भी साथ बिता रहे हैं । हाल ही में कृति के बालों में पुलकित तेल लगाते हुए नजर आए थे। सोशल मीडिया पर कृति और पुलकित का यह वीडियो काफी वायरल हुआ था, जिसे काफी पसंद किया गया था।ऑफ स्क्रीन पसंद की जाने वाली इस जोड़ी को अब फैंस बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं।

## दीपिका पादुकोण से इम्प्रेस हुई अनन्या पांडे

इस महीने करण जौहर की प्रोड्यूस की हुई फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' को रिलीज हुए एक वर्ष हो जाएगा' इसके साथ ही अनन्या पांडे के डेब्यू को एक साल हो जाएगा। इस बारे में बात करते हुए अनन्या पांडे कहती हैं, 'यह मुझे अब भी सपने जैसा लगता हैं' यहीं इसका वर्णन करने का सबसे अच्छा तरीका है। मुझे अब भी इसपर विश्वास नहीं होता है और इसे लेकर मैं रोमांचित भी हूं कि मैं अब एक एक्ट्रेस हूं'' वह यह भी स्वीकार करती है कि उन्हें दर्शकों का खूब प्यार मिलता है। इस बारे में आगे बताते हुए अनन्या पांडे कहती है, 'यह फैक्ट है कि युवा लड़के और लड़कियां मुझे देख रहे हैं' एक मेरे लिए एक नहीं ऊंचाई है' यह बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों से ज्यादा महत्वपूर्ण है।' अनन्या अगली बार शकुन बत्रा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनने वाली है' इसमें दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी भी हैं। इस बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने शकुन का नाम सुनते ही फिल्म के लिए हां कह दिया था, वह कहती है, 'मैंने उन्हें बताया कि मैं कुछ भी कर न ने को तैयार हूं अगर वह निर्देशन करते है। मैं एक छात्र की तरह वहां बैठने के लिए तैयार हूं और जितना हो सकता है, उनसे सीखने की कोशिश कर रही हूं।' अनन्या अपनी सह-कलाकार दीपिका की विनम्रता के बारे में कहती हैं, 'आपको ऐसा महसूस नहीं होता है कि वह एक स्टार है' वह आपके ऊपर हावी नहीं होती है। ऐसा लगता है जैसे दोस्त है। दीपिका अंदर से बाहर की तुलना में अधिक सुंदर है।' अनन्या बॉलीवुड की एक्ट्रेस है और वह दो फिल्मों में नजर आ चुकी हैं' उन्होंने कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'पति, पत्नी और वो' के रीमेक में भी काम किया हैं' अनन्या पांडे फिल्म अभिनेता चंकी पांडे की बेटी हैं।

## रॉबर्ट डाउनी जूनियर रूसो ब्रदर्स के साथ कर सकते हैं काम!

रॉबर्ट डाउनी जूनियर का सुपरहीरो अवतार आयरन मैन पॉप कल्चर के लिए एक्साइटेड लोगों के बीच सबसे फेमस सुपरहीरो में से एक है। एवेंजर्स में आयरन मैन के रूप में एक्टर की अंतिम यात्रा: एंडगेम ने मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में अपनी एक दशक लंबी यात्रा का समापन किया। पिछले एक इंटरव्यू में, रॉबर्ट डाउनी जूनियर ने कहा था कि वो फ्रेंचाइजी में सुपरहीरो के रूप में वापसी करने से इनकार नहीं करते हैं, और अब हाल ही में आयोजित वॉच पार्टी में, एक्टर ने भविष्य की मार्वल फिल्मों में वापसी करने का भी संकेत दे दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, क्वारंटाइन वॉच पार्टी के दौरान को-डायरेक्टर जो रुसो के साथ बात करते हुए, इस जोड़ी ने एक बार फिर साथ काम करने की इच्छा की ओर इशारा किया है। फिल्मों में काम करने और फिर उन्हें दुनिया में रिलीज करने की बात करते हुए रुसो ने कहा, मैं कहूंगा कि ये ऐसा लगता है कि आप समर कैंप में जाते हैं और फिर वे इसे आपसे दूर कर देते हैं। रूसो ने आगे कहा कि-क्योंकि हमें इन चीजों पर एक साथ काम करने में बहुत मजा आता है। हर किसी को बहुत मजा आता है, आप दूसरे तक पहुंचने के लिए आपस में काफी करीब पहुंच जाते है और फिर आप इसे ही मिस करने लगते हैं और हो सकता है कि हमें इसे किसी दिन फिर से करना होगा। रॉबर्ट डाउनी जूनियर ने कहा, लोग, हमसे जो चाहते हैं, हमें उसी ओर ले जाएंगे ।इससे पहले, ये बताया गया था कि रॉबर्ट डाउनी जूनियर एमसीयू में लौटने के लिए पे-कट लेने के लिए तैयार हैं, और अपने प्रोटेक्ट टॉम हॉलैंड और ग्वेनेथ पाल्ट्रो के साथ काम करना चाहते हैं। इसी तरह, एक शो के दौरान, रॉबर्ट डाउनी से फिर से पूछा गया कि क्या वो फ्यूचर में मताधिकार पर लौटने पर विचार करेंगे। इसके लिए डाउनी ने एक खुला जवाब दिया, जिससे फैन्स को वापसी की उम्मीद है।

## इन सितारों ने एक ही स्कूल में पढ़ाई की है !

**बॉलीवुड सेलेब्स इस यूनिवर्स में सबसे लोकप्रिय और सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले लोगों में से एक हैं, और ऐसा हो भी क्यों ना, आम लोग इन स्टार्स को इतना प्यार जो करते हैं। इन स्टार्स को पूरी दुनिया अपने टीवी सेट और सिनेमाघरों में देखती है, और इनसे जुड़ी हर एक डिटेल जानना चाहती है। यही वजह है कि आज हम उन बॉलीवुड सेलेब्स की डिटेल्स आपके लिए लेकर आए हैं जो क्लासमेट रह चुके हैं।**

### आर्यन खान और नव्या नवेली नंदा

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख के बेटे आर्यन खान और बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन की ग्रैंड डॉटर नव्या नवेली नंदा ने भी एक ही स्कूल से पढ़ाई की है और दोनों बचपन से ही काफी गहरे दोस्त हैं। बचपन से दोस्त होने के साथ ही दोनों स्टार किड अपने हायर एजुकेशन के लिए लंदन भी एक साथ गए। कई पिक्स में भी अक्सर दोनों को साथ देखा जाता है, दोनों वेकेशन पर भी साथ जाते हैं ।

### टाइगर श्रॉफ और श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड के सुपरस्टार जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर श्रॉफ और बॉलीवुड के क्यूटेस्ट विलेन शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा कपूर ने मुंबई के एक ही स्कूल से पढ़ाई की है। दोनों अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे में पढ़ाई किया करते थे। आपको बता दें स्कूल में दोनों का एक दूसरे पर क्रश भी हुआ था। फिल्म बागी 3 के प्रमोशन के दौरान श्रद्धा ने इस बात का खुलासा किया। दोनों स्टार किड्स इस समय बॉलीवुड के जाने माने चेहरे हैं। ये दोनों ऐक्टर्स कई हिट फिल्मों में अपने कैरेक्टर्स के लिए फेमस हैं, और दोनों एक साथ एक्शन-ड्रामा फिल्म - बागी की फ्रेंचाइजी में भी एक साथ नजर आ चुके हैं।

### आथिया शेट्टी और कृष्णा श्रॉफ

जैकी श्रॉफ की बेटी कृष्णा श्रॉफ और वेटरन ऐक्टर सुनील शेट्टी की बेटी आथिया शेट्टी भी स्कूलमेट रह चुकी हैं और दोनों ही स्टार किड बचपन से ही काफी अच्छी दोस्त भी हैं। अथिया ने कुछ समय पहले ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया और ये फिल्म जैकी श्रॉफ की फिल्म 'हीरो' की रीमेक थी। जहां अथिया शेट्टी ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू किया, वहीं कृष्णा श्रॉफ का बॉलीवुड में आने का कोई इरादा नहीं है।

### वरुण धवन और अर्जुन कपूर

बॉलीवुड के दो यंग, फेमस और हॉट एक्टर्स वरुण धवन और अर्जुन कपूर भी ऐक्टिंग स्कूल में क्लासमेट रह चुके हैं। वरुण धवन बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर डेविड धवन तो वहीं अर्जुन कपूर ऐक्टर/डायरेक्टर बोनी कपूर के बेटे हैं। अर्जुन और वरुण ऐक्टिंग स्कूल से ही दोस्त हैं और दोनों की दोस्ती का नमूना कई स्टेज शोज और पार्टीज में भी देखने को मिलता है। हालांकि दोनों अब तक किसी फिल्म में साथ नजर नहीं आए हैं और दोनों को साथ देखने का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

### करण जौहर और अपूर्व मेहता

करण जौहर और धर्मा प्रोडक्शन के सीईओ अपूर्व मेहता ने भी एक साथ पढ़ाई की है। धर्मा प्रोडक्शन की स्थापना यश जौहर ने एक इंडियन फिल्म प्रोडक्शन कंपनी के रूप में की थी और यश के निधन के बाद धर्मा प्रोडक्शन की जिम्मेदारी बेटे करण जौहर से को मिल गई। करण और अपूर्व को जोड़ने वाला लिंक भी धर्मा प्रोडक्शन हाउस ही है जिसका सीईओ अपूर्व मेहता ने ध्यान रखा है।

### सलमान खान और आमिर खान

आइए हम थोड़ा पीछे की ओर जाएं और अपने समय के सबसे बड़े सुपरस्टार जो कि अभी भी सबसे बड़े सुपरस्टार हैं, की दोस्ती देखें। सलमान खान और आमिर खान का बॉलीवुड इंडस्ट्री में कनेक्शन था, लेकिन उन्हें जो स्टारडम मिला, हम उन्हें सेल्फ मेड सुपरस्टार भी कह सकते हैं। ये दोनों भी बचपन में क्लासमेट थे जिन्हें पता था कि वे भविष्य में क्या करेंगे।

### ट्विंकल खन्ना और करण जौहर

बॉलीवुड के बेहतरीन सुपरस्टार राजेश खन्ना की बेटी ट्विंकल खन्ना हमारे पसंदीदा खिलाड़ी - अक्षय कुमार की पत्नी भी हैं। इसके अपोजिट, करण जौहर (उर्फ केजे) निमार्ता यश जौहर के बेटे हैं। इन दोनों स्टार किड्स ने भी महाराष्ट्र के पंचगनी में एक ही बोर्डिंग स्कूल से पढ़ाई की है।

### रितिक रोशन और उदय चोपड़ा

अब बात कर लेते हैं उदय चोपड़ा और रितिक रोशन की। उदय चोपड़ा, भारत के सबसे बड़े फिल्म निमार्ता यश राज चोपड़ा तो वहीं बॉलीवुड के ग्रीक गॉड ऋतिक रोशन, राकेश रोशन के बेटे हैं। ये दोनों यंग टैलेंटेड मैन फोर्थ स्टैंडर्ड तक क्लासमेट थे। ये स्टार किड्स बचपन से ही काफी करीब हैं और इंडस्ट्री में अभी भी बहुत अच्छे दोस्त हैं।

कोरोना में अम्बाह शहर को स्वच्छता के पायदान पर ले जाने के लिए

# सफाई कर्मियों की महति भूमिका: सुरेन्द्र शर्मा

## दूसरे लॉक डाउन में तीन बार किया सेनेटाइज़र मॉस्क साबुनो का बितरण

**केशब पडित जी अम्बाह**

**अम्बाह।** नगर परिषद अम्बाह में कोरोना

जैसी महामारी को लेकर नगर पालिका के समस्त कर्मचारियो को मॉस्क सेनेटाइटर व हाथ धोने के लिये साबुन बितरित किये गये। इसी क्रम में नगर पालिका में कार्यरत सफाई कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया।सम्मान समारोह के दौरान नगर पालिका राजस्व निरीक्षक अशोक शर्मा ने कहा कि कोरोना को ध्यान मे रखकर नगर में सफाई व्यबस्था किस रूप से रखनी है नगर को स्वच्छता के किस पायदान पर पहुंचाना है इसमें मुख्य भूमिका हमारे सफाई कर्मियों की होती है जो सुबह होते ही लोगो के जागने से पहले कड़ाके की सर्दी,व गर्मी में झाड़ू लेकर निकल जाते है और नगर में फैली गंदगी को साफ करते है।उन्होंने कहा कि इस बार अम्बाह नगर को स्वच्छता सर्वेक्षण लीग 2020 के तहत अम्बाह तहसील नही बल्कि पूरे चम्बल में नम्बर बनाने का हमारा प्रयास है जिसमे महती भूमिका हमारे सफाई कर्मचारियों की रहेगी।उन्होंने नगर की जनता से अपील करते हुए कहा कि जीबन अनमोल है कोरोना जैसी बीमारी मे हमे इसके प्रति सजग रहना है व लॉक डाउन का पालन करना चाहिये बिशेष काम हो तो ही घर से एक ही ब्यक्ति को मॉक्स लगाके निकलना चाहिये और आते बक्त अपने कपडे गर्म पानी मे डुबोकर धूप मे सूखने के लिये डालना चाहिये छोटे बच्चे व 60 साल से ऊपर के बुर्जगो का बिशेष ध्यान रखे...

### ग्वालियर में रविवार को 62 नमूनों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई

**ग्वालियर।** नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये जिले में किए जा रहे व्यापक प्रबंध के साथ-साथ संदिग्ध मरीजों की मेडीकल जांच भी कराई जा रही है। ग्वालियर में रविवार को 62 स्वास्थ्य नमूनों की जांच रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि जिले में अब तक 3 हजार 101 सेम्पलों की जांच कराई गई है। इसके साथ ही 2 हजार 525 जांच निगेटिव प्राप्त हुई हैं। 104 प्रकरणों में जांच की आवश्यकता नहीं पाई गई है। 467 जांच नमूनों की रिपोर्ट आना शेष है। जिले में अब तक 7 हजार 904 लोगों को होम क्वारंटाइन कराया गया था, जिनमें से 6 हजार 176 की क्वारंटाइन अवधि पूर्ण हो गई है। जिले में कुल 3 लाख 83 हजार 133 लोगों की मेडीकल स्क्रीनिंग की गई है।

सब्जी मंडी दतिया मैं पुलिस की पैनी नजर

# सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन और वाहन जाना मंडी में वर्जित अगर गया कोई भी तो होगा चालान

**संदीप प्रधान ब्यूरो चीफ**

**दतिया /** पुलिस करवा रही सोशल डिस्टेंसिंग पालन दतिया जिले में एक दिन छोड़कर 1 दिन खुलती है राशन की दुकान और सब्जी मंडी उसी उसी वक्त जब आज सुबह के टाइम हमने सिटी के हालात जाने तो सब्जी मंडी में तैनात एस आई होतम सिंह बघेल अपनी टीम के साथ उन्होंने बताया कि पुलिस अपना कार्य कर रही है और हम हमको जनता के सहयोग की भी आवश्यकता है क्योंकि हम सब मिलकर कोरोना जैसे संकट से छुटकारा पा सकते हैं यह संकट पुलिस का ही नहीं है यह हमारे देश की पूरी जनता के लिए मुसीबत बना हुआ है हम सभी देशवासियों से अपील करना चाहते हैं की पुलिस का हर वक्त देश की जनता साथ दें और जब हमने देखा सब्जी मंडी जाकर देखा तो चारों साइट बैरीगेटिंग के हर पॉइंट पर पुलिस थी तैनात एस आई ने बताया कि जब भी कोई वाहन चालक जबरदस्ती सब्जी मंडी में प्रवेश करता है तो उस पर होती है सख्त कार्रवाई कटता है चालान फिर पुलिस देती है समझाइश दतिया सब्जी मंडी के हालात सही देखने को मिले आखिर पुलिस की मेहनत ला रही है रंग दतिया है अभी तक ग्रीन जॉन।

कोरोना के कर्मवीरो का सम्मान कर

# वार्ड-1 के पूर्व पार्षद श्री कौरव ने मनाया जन्मदिन

कोरोना की जंग, कर्म वीरों के संग

**ग्वालियर।** कोरोना के संकट काल में शहर वासियों को अपनी जान जोखिम में डालकर कोरोना वायरस के संक्रमण से मुक्ति दिलाने वाले सफाई कर्मवीरों का सम्मान कर आज वार्ड क्रमांक-1 के पूर्व पार्षद श्री जगत सिंह कौरव ने अपना जन्मदिन सेवा संकल्प के रूप में मनाया। श्री कौरव ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर आज वार्ड-1 में कार्यरत सभी 65 सफाई कर्मियों को राशन की किट स्वच्छता किट प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया इसके साथ ही जनकताल स्थित गौशाला पर गौ भोग भी लगाया। दुनिया भर में इस समय चल रहे कोविड-19 के संकट काल में जहां डॉक्टर मेडिकल स्टाफ एवं पुलिसकर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों का इलाज व सुरक्षा कर रहे हैं इसके लिए उनकी सराहना की जानी चाहिए वहीं दूसरी ओर हम सभी लोगों के घरों से प्रतिदिन निकलने वाली गंदगी से शहर के नागरिकों को मुक्ति दिलाने का जो कार्य कोरोना के महावीर सफाई योद्धा कर रहे हैं इसके लिए उन सफाई महा योद्धाओं का योगदान हम सभी को कोरोना के संकट से बचाने में बहुत महत्वपूर्ण है। इन्हीं सफाई महायोद्धाओं के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करने के लिए अनेक समाजसेवी संस्थाएं आगे आ रही हैं और विभिन्न प्रकार से उन्हें सहयोग प्रदान कर रही हैं।

सफाई महा योद्धा के प्रति इसी प्रकार सम्मान का भाव रखते हुए आज वार्ड क्रमांक-1 के पूर्व पार्षद श्री जगत सिंह कौरव ने अपने जन्मदिन के अवसर पर इन्हीं सफाई कर्मवीरों का सम्मान व सहयोग करने के उद्देश्य से आज जनक ताल स्थित गौशाला में वार्ड 1 में कार्यरत सभी सफाई कर्मवीरों को आमंत्रित कर उन्हें स्वयं की सुरक्षा के लिए सैनिटाइजर की बोतल के साथ ही मास्क उपलब्ध कराया और पुष्प हार पहना कर उन्हें सम्मानित किया। इसी के साथ ही श्री कौरव द्वारा सभी 65 सफाई कर्मवीरों को राशन सामग्री की एक-एक किट भी सहायतार्थ प्रदान की गई जिसमें आटा, दाल, चावल , शक्कर सहित अन्य सामग्री सफाई कर्म वीरों को प्रदान की। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए श्री कौरव द्वारा सभी सफाई कर्म वीरों को 1-1 मीटर के अंतर से खड़ा कर उन्हें राहत सामग्री प्रदान की गई। इसी के साथ ही जनक ताल स्थित गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाकर गौ भोग भी लगाया गया।

## सी.एम. हेल्पलाइन से 5 लाख से अधिक लोगों को मिली राहत

**ग्वालियर।** प्रदेश में कोरोना के कारण लागू लॉकडाउन में सी.एम. हेल्पलाइन नम्बर 181 आम नागरिकों और सभी जरूरतमंदों के लिये सबसे बड़ा आसरा केन्द्र बन गया है। इस नम्बर पर अब तक 5 लाख 24 हजार 465 लोगों को फोन करने पर भोजन, राशन, दवाओं, परिवहन तथा अन्य प्रकार की राहत उपलब्ध कराई गई है। सी.एम. हेल्पलाइन किसानों के लिये भी मददगार साबित हो रही है। इस पर अब तक किसानों की फसल कटाई, फसल परिवहन आदि की 1023 समस्याओं का तुरंत निराकरण सुनिश्चित किया गया है। प्राप्त विस्तृत जानकारी के अनुसार सी.एम. हेल्पलाइन नम्बर 181 पर अब तक भोजन संबंधी 4 लाख 25 हजार 402, परिवहन संबंधी 29 हजार 361, दवाइयों संबंधी 28 हजार 409, आवश्यक वस्तुएं जैसे दूध, सब्जी आदि संबंधी 14 हजार 713 तथा अन्य प्रकार की 26 हजार 580 समस्याओं की जानकारी मिलते ही त्वरित कार्रवाई कर सहायता मुहैया कराई गई।

### प्रदेश में गैर-परम्परागत विद्युत स्त्रोतों से 29 प्रतिशत विद्युत आपूर्ति एक दिन में 1894 लाख यूनिट विद्युत आपूर्ति

**ग्वालियर।** प्रदेश की विद्युत आपूर्ति में गैर-पारम्परिक विद्युत स्त्रोतों से प्राप्त विद्युत की सहभागिता सकारात्मक रूप से परिलक्षित होने लगी है। शनिवार को प्रदेश में 1893.96 लाख यूनिट विद्युत की आपूर्ति की गई। प्रदेश में विद्युत की आपूर्ति में गैर-परम्परागत विद्युत स्त्रोतों से प्राप्त विद्युत का अहम योगदान रहा। सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा से 372.14 लाख यूनिट की विद्युत आपूर्ति की गई। जल विद्युत गृहों से 159.68 लाख यूनिट की विद्युत आपूर्ति की गई। इस प्रकार, प्रदेश में की गई कुल विद्युत आपूर्ति में गैर-परम्परागत विद्युत श्रोतों से प्राप्त विद्युत का प्रतिशत 28.08 रहा, जो पर्यावरण की दृष्टि से सराहनीय है।

पूर्व मंत्री ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

# कांग्रेस सरकार द्वारा निरस्त की गई नगर पंचायतों को करें बहाल

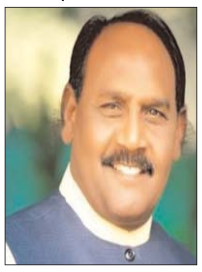

**गोहद।** मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य द्वारा भाजपा की सरकार में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बनाई गई नवीन नगर पंचायतो को कांग्रेस की कमलनाथ सरकार द्वारा निरस्त कर दिया था उन पंचायतो को पुनः बहाल करने के लिए पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा जिसमे उन्होंने लिखा कि माननीय द्वारा गोहद की मालनपुर व मेहगांव की रोन मवीन नगर पंचायते बनाई गई थी। लेकिन कमलनाथ सरकार द्वारा उन पंचायतो को निरस्त कर दिया गया था जबकि इनका वार्ड विभाजन व परसीमन का कार्य भी पूर्ण हो चुका था। पूर्व मंत्री ने इन नगर पंचायतो को पुनः बहाल करने का निवेदन किया है जिससे क्षेत्र में विकास की नई श्रखला स्थापित की जा सके।

# नयागांव थाना प्रभारी की अनोखी पहल, प्रत्येक दुकान पर लिखबाए कोरोना से बचाव के संदेश

**प्रदीप राजावत ब्यूरो चीफ**

भिंड जिले में कोरोना वायरस को लेकर पुलिस स्वास्थ्य विभाग एवं लोगों में जागरूकता के कारण भिंड अभी तक ग्रीन जोन में बना है, तो वही जिले के नयागांव थाना प्रभारी के द्वारा एक अनोखी पहल देखने को मिली है जिसमें कोरोना वायरस से बचाव को लेकर प्रत्येक दुकान पर कोरोना वायरस से बचाव को लेकर जागरूकता संदेश लिखवाए गए हैं, जिसमें घरों से बाहर ना निकले अति आवश्यक कार्य होने पर मास्क लगाकर ही निकले सोशल डिस्टेंस को बनाए रखें, बार-बार साबुन को हाथों से धोएं जैसे जागरूकता संदेशों से नयागांव बाजार दुल्हन की तरह सजा हुआ दिखाई दे रहा है, नयागांव थाना क्षेत्र एवं आसपास के लोग बाजार में खरीदारी के लिए आते हैं तो वहीं यह संदेश को पढ़कर महामारी के प्रति जागरूक भी हो रहे हैं। इतना ही नहीं प्रत्येक दुकान पर संदेश लिखवाने के साथ साथ सोशल डिस्टेंस को बनाए रखने के लिए पाइप के द्वारा आने जाने का रास्ता अलग अलग बनवाया गया है एवं ग्राहकों के खड़े होने के लिए 1 मीटर के दायरे में गोले बनवाए हैं। नयागांव थाना प्रभारी की कोरोना वायरस से बचाव लिए जो स्लोगन लिखाएं गए हैं, उनकी तारीफ जगह-जगह हो रही है।

# लगातार तीसरी बार सिंधिया फाउंडेशन की ओर से पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रविन्द्र शिवहरे एवं पवन शिवहरे की टीम ने किया सेनिटाइज का छिड़काव

**सूर्य प्रताप सिंह रिपोर्टर**

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए नगरपालिका का स्वच्छता अमला जनता कर्फ्यू और लॉक डाउन के दौरान पूरी मुस्तैदी से काम करता नजर आया। शहर में सन्नाटा पसरा हुआ था लेकिन पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रविन्द्र शिवहरे एवं पवन शिवहरे और उनकी टीम एवं स्वच्छताकर्मी पूरी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। नपा ने ट्रेक्टर द्वारा पूरे शहर को छिड़काव कर सेनेटाइज किया जा रहा है। शहर के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार, सार्वजनिक स्थानों सहित 15वार्डों में छिड़काव का काम चल रहा है, ताकि कोरोना वायरस से बचाव किया जा सके। स्वच्छता रविन्द्र शिवहरे का कहना है कि सिंधिया जी की प्रेरणा से नगर मैं छिड़काव किया जा रहा है । कि कोरोना से बचाव के लिए कलेक्टर द्वारा जो गाइड लाइन जारी की गई है उसकी के अनुसार छिड़काव के इंतजाम किए जा रहे है। छिड़काव के लिए फिनाइल और सेनेटाइजर घोल तैयार किया गया है। इसके अलावा कीटनाशक पाउडर का छिड़काव भी नालियों के आसपास किया जा रहा है। पांच से सात नपाकर्मियों की टीम द्वारा नालियों दुकानों आदि को सेनेटाइज कर रही है। नपा के 30 से 40 कर्मचारी अलग-अलग शिफ्टों में काम पर लगे हैं। रविंद्र शिवहरे से बात की गई तो उनका कहना था कि हमारे ऊपर एक बड़ी जिम्मेदारी हैं इसलिए हम पूरी सतर्कता से अपना काम कर रहे हैं ताकि लोग सुरक्षित रह सके और कोरोना को फैलने से रोका जा सके । छिड़काव के दौरान पूरी सावधानी बरती जा रही है और सभी चीजों को कवर किया जा रहा है। वार्डो में भी छिड़काव को काम शुरू कर दिया गया है।

## कोरोना से बचने के लिए सबसे कारगर उपाय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना जरूरी

वंदे मातरम साथियों मैं ख्यालेन्द्र प्रजापति प्रदेशाध्यक्ष राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ मध्यप्रदेश साथियों आज संपूर्ण विश्व एक वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से ग्रसित है यह महामारी आज हमारे देश में पैर पसार रही है। इस महामारी से बचने के लिए सबसे कारगर उपाय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना जरूरी है। इस महामारी ने हमारे जो अति गरीब परिवारों के लिये बहुत सारी समस्याएं खड़ी हो कर दी हैं। आज हमें एक समाजसेवी होने के नाते उन समस्याओं को देखना होगा तभी मानवता के लिये समर्पित हमारे जीवन का उद्देश्य पूर्ण होगा। इस विषम परिस्थितियों में राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ मध्यप्रदेश की टीम प्रदेश, जिला, तहसील स्तर पर इन अति गरीब एवं जरूरत मंद (निराश्रित, विकलांग, विधवा) लोगों को राशन की एक किट उपलब्ध करा रहा है। हम ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर कोरोना से बचाव के उपाय जन जन तक पहुचा रहे है। मास्क एवं सैनिटाइजर वितरण भी किया जा रहा है। कोरोना योद्धाओं का सम्मान एवं टीम द्वारा रक्तदान जैसे कार्यक्रम लगातार चल रहे है।

## कोरोना योद्धाओं का सैन्य अधिकारियों ने किया सम्मान

**ग्वालियर।** नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाले कोरोना योद्धाओं का कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में सेना के अधिकारियों ने सम्मान किया। ग्वालियर में जिन मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों ने कोरोना वायरस की रोकथाम में रात-दिन मेहनत की है, उन्हें सेना के अधिकारियों ने सम्मानित कर स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम में लगे कोरोना योद्धाओं का सम्मान नगर के नागरिक भी कर रहे हैं। इसके साथ ही देश के सैनिकों ने भी कोरोना योद्धाओं का सम्मान करने का कार्य किया है। कलेक्ट्रेट में आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, ब्रिगेडियर सुशीन्द्र विश्वास, कर्नल राकेश थापा, कर्नल शिवनील गांगुली, मेजर मनीष चौहान सहित सीईओ जिला पंचायत शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर अनूप कुमार सिंह, एडीएम किशोर कन्याल, सीईओ स्मार्ट सिटी जयति सिंह एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशासन ने व्यापारियों को दी बड़ी राहत

# आज से सुबह 07 से रात 12 बजे तक खुलेंगे जरूरी प्रतिष्ठान

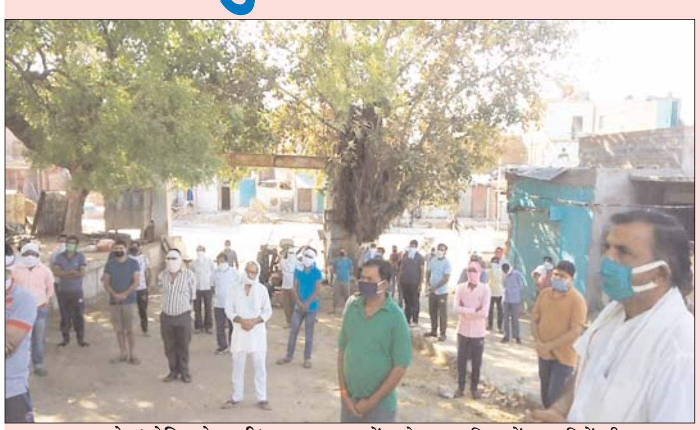

**दबोह(मोहित गोस्वामी)**

कोरोना वायरस कहर के चलते भिण्ड कलेक्टर महोदय के आदेशानुसार भिण्ड जिले में सम्पूर्ण लॉकडाउन की स्तिथि बनी हुई है जिस दौरान व्यापारी वर्ग व गरीब व्यक्ति ज्यादा परेशान है।जिसके चलते प्रशासन ने दबोह व्यापारियों को एक बड़ी राहत दी है।रविवार की शाम नायब तहसीलदार राजेन्द्र मौर्य,थाना प्रभारी विजय सिंह तोमर व मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने थाना परिसर में व्यापारियों की आवश्यक बैठक ली जिसमे उन्होंने व्यापारियों को राहत देते हुए कहा कि कोरोना एक बहुत ही गम्भीर बीमारी है जिसके चलते हर व्यक्ति परेशानी से जूझ रहा है जिसको देखते हुए आवशयक सामग्री की दुकानें व्यापारी बन्धु निश्चित समय पर खोल सकते हैं।उन्होने व्यापारियों से कहा कि इस दौरान व्यापारी अपनी दुकानें सोमवार से सुबह 07 बजे से सुबह 12 बजे तक खोल सकेंगे जिसमे सिर्फ अतिआवश्यक सामान की दुकानें शामिल होंगी बशर्ते उन्हें नियमो का पालन करना पड़ेगा जिनमे ग्राहकों को सोशल डिस्टेंस में खड़ा करना,2-3 से ज्यादा ग्राहक खड़ा न करना,संचालक सहित सभी ग्राहकों के मुँह पर मास्क लगा होना चाहिए इत्यादि शर्ते शामिल हैं।वहीं उन्होंने व्यापारियों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि अगर दुकानदार शासन के नियमो का पालन नही करता करता है तो दुकान संचालक और ग्राहक दोनों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।साथ ही उन्होंने कहा कि यह आदेश सब्जी व्यापारी,फल व्यापारी के लिये लागू नही होता है वह लोग गली गली जाकर ही सब्जी,फल बेच सकते हैं तो वहीं मदिरा,मास व नाई की दुकाने पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है।इसी दौरान थाना प्रभारी ने व्यापारियों को अपना नम्बर 9926261200 देते हुए कहा कि अगर किसी को कोई भी समस्या आती है तो वह मुझे सम्पर्क कर जानकारी दे सकता है।।

### पंत ने धोनी को बताया मेंटर, कहा-
# धोनी ने हमेशा मदद की, पर इस बात का ध्यान रखा कि मैं पूरी तरह उन पर निर्भर भी न रहूं

- पंत ने आईपीएल की टीम दिल्ली कैपिटल्स के इंस्टाग्राम अकाउंट पर लाइव चैट के दौरान यह बात कही
- कहा- धोनी मेरे पसंदीदा बैटिंग पार्टनर, जब वे दूसरे छोर पर रहते हैं तो अलग सी ताकत महसूस होती है

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी उनके मेंटर हैं। धोनी मैदान के भीतर और बाहर दोनों जगह उनका मार्गदर्शन करते हैं। पंत के मुताबिक, मैं किसी भी परेशानी से निपटने के लिए उनकी मदद मांग सकता हूं। लेकिन वे सिर्फ रास्ता बताते हैं, ताकि मैं खुद अपनी समस्या से बाहर निकलूं और पूरी तरह उन पर निर्भर न रहूं। पंत का कहना है कि धोनी के ऐसा करने से मेरा आत्मविश्वास और मजबूत हुआ है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने आईपीएल की अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स के साथ इंस्टाग्राम पर लाइव चैट के दौरान यह बात कही।

इस लाइव चैट के दौरान पंत ने कहा कि धोनी उनके चेहते बैटिंग पार्टनर में से एक हैं। बल्लेबाजी के दौरान जब वे दूसरे छोर पर मौजूद रहते हैं तो मुझे अलग सी ताकत महसूस होती है। उनके दिमाग में हमेशा सामने वाले के लिए योजना रहती है। पंत ने कहा कि धोनी और एडम गिलक्रिस्ट उनके आदर्श खिलाड़ी हैं। हालांकि, उनका मानना है कि अपने आदर्श खिलाड़ी से सीखना चाहिए, लेकिन उसकी कॉपी करने से बचना चाहिए।

### दिल्ली के मोतीबाग गुरुद्वारा में बिताई कई रातें

पंत ने लाइव चैट के दौरान अपने शुरूआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया कि मैं उत्तराखंड में रहता था। तब राज्य की अपनी कोई क्रिकेट टीम नहीं थी। ऐसे में प्रैक्टिस के लिए मुझे उत्तराखंड से दिल्ली आना पड़ता था। इसके लिए रात 2 बजे ही बस पकड़नी पड़ती थी। उस समय सड़क के रास्ते दिल्ली पहुंचने में 6 घंटे लगते थे। पंत ने बताया कि कई बार तो मां के साथ रात में दिल्ली के मोतीबाग गुरूद्वारे में ही रूकता था। मां गुरूद्वारे के रोजमर्रा के काम में मदद करती थी। उसे यकीन था कि गुरुघर में की गई सेवा आशीर्वाद के रूप में मेरे काम आएगी। पंत ने आईपीएल के 54 मैच में 1736 रन बनाए हैं। उन्होने अपना अंतिम टेस्ट मैच इसी साल फरवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला। जबकि अंतिम वन डे मैच इसी साल जनवरी में इंग्लैंड के विरूद्ध खेला है।

# पीड़ितों के लिए बल्ला नीलाम करेंगे गिब्स

जोहानिसबर्ग ■ एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज हर्शल गिब्स ने कोरोना महामारी के खिलाफ जारी अभियान में पीड़ितों की सहायता के लिए अपना बल्ला नीलाम करने का फैसला किया है। गिब्स के इस बल्ले की नीलामी से मिलने वाली राशि कोरोना से मुकाबले के लिए बने सहायता कोष में जाएगी। गिब्स ने इस बल्ले की नीलामी में शामिल लोगों से अधिक से अधिक बोली की अपील करते हुए कहा कि लॉकडाउन के कारण कई लोग बेरोजगार हो गये हैं ओर उनकी सहायता करना हमारा फर्ज बनता है। कोरोना संक्रमण से बचाव में सभी को सहयोग करना चाहिये ताकि इस महामारी को रोकने में सफलता मिल सके। गिब्स ने इसी बल्ले से साल 2006 में 175 रन की पारी खेलकरा दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकार्ड जीत दर्ज करायी थी। दक्षिण अफ्रीका की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की इस श्रृंखला के निर्णायक मुकाबले में एक गेंद शेष रहते हुए नौ विकेट पर 438 रन बनाकर विजेता बनी थी। आस्ट्रेलिया ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 434 रन बनाये थे।

### |भारतीय ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा|
# भारत 2032 ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी हासिल करने की कोशिश करेगा, क्वींसलैंड - शंघाई से चुनौती मिल सकती है

- नरिंदर बत्रा ने कहा- हम 2026 के यूथ ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी को लेकर गंभीर हैं
- आईओए ने मुताबिक, 2032 ओलिंपिक की मेजबानी को लेकर दस्तावेजी तैयारी शुरू हो चुकी है, लेकिन कोविड-19 की वजह से काम रोकना पड़ा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा कि कोरोनावायरस की वजह से पैदा हुए हालात ठीक होने के बाद भारत 2032 ओलिंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की कोशिशें तेज कर देगा। आईओए अध्यक्ष ने कहा कि 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स के आयोजन से देश ने काफी सीखा है। बत्रा ने कहा कि हम हम 2026 के यूथ ओलिंपिक गेम्स और 2032 के ओलिंपिक खेलों की मेजबानी के लिए गंभीर हैं। इस संबंध में भारत ने अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक संघ को चिट्ठी लिखकर मेजबानी को लेकर अपनी रूचि दिखाई है। हालांकि, भारत के लिए राह आसान नहीं होगी। क्योंकि 2026 के यूथ गेम्स को लेकर उसे थाईलैंड, रूस और कोलंबिया जैसे देशों से कड़ी चुनौती मिलेगी। यह देश भी मेजबानी हासिल करने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। वहीं, 2032 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए क्वींसलैंड (ऑस्ट्रेलिया), शंघाई और सियोल के बीच भी प्रतिस्पर्धा हो सकती है। दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के दौरान भ्रष्टाचार और हाल में ही 2021 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी छिनने से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे बॉक्सिंग विवाद के बारे में तो नहीं पता। हां, लेकिन 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स का सफल आयोजन करके भारत ने यह दिखाया था कि वे ओलिंपिक जैसे बड़े खेलों की मेजबानी करने में भी सक्षम है।

### 2032 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए भारत की तैयारी जारी

आईओए अध्यक्ष ने आगे कहा कि 2032 के खेलों के लिए डॉक्युमेंटशन शुरू हो गया था। लेकिन कोविड-19 की वजह से फिलहाल सारा काम बंद है। उन्होंने कहा कि मेजबानी से जुड़ी प्रक्रिया लंबी होती है। इससे जुड़ी टीम अलग-अलग वेन्यू पर जाती है और इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रैवल और सुरक्षा के अलावा गेम्स के सफल आयोजन से जुड़ी दूसरी जानकारी हासिल करती है। इसके बाद वे रिपोर्ट पेश करते हैं। हालांकि, मौजूदा हालात में मुझे दिसंबर तक इससे जुड़ा कोई काम होने की उम्मीद है। वैसे भी यह ऐसा वक्त नहीं है कि सरकार और कॉरपोरेट हाउसेस से ओलिंपिक की दावेदारी को लेकर कुछ बात की जाए। हमारे सामने पहली प्राथमिकता कोरोना से निपटना है।

### 4 बार वर्ल्ड कप जीतने वाली अमेरिकी महिला टीम की समान वेतन की याचिका खारिज, खिलाड़ियों ने कहा- नाइंसाफी के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका की महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ियों को पुरुषों के बराबर वेतन नहीं मिलेगा। कोर्ट ने यूनाइटेड स्टेट वुमन सॉकर टीम की समान वेतन की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। हालांकि कोर्ट ने यात्रा, आवास और स्वास्थ्य के मुद्दे पर महिला खिलाड़ियों से भेदभाव के खिलाफ सुनवाई की अनुमति दे दी है। इस पर 16 जून को सुनवाई होगी।

सेंट्रल कैलिफोर्निया की जिला अदालत के जज गैरी क्लूजनर ने याचिका खारिज करते हुए 32 पेज का फैसला दिया। कहा- महिला फुटबॉल टीम ने पुरूष टीम की तरफ से कलेक्टिव बारगेनिंग एग्रीमेंट के तहत पहले दिए गए प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया था। महिला टीम ने समान वेतन कानून के तहत 498 (66 मिलियन डॉलर) करोड़ रूपए दिए जाने की मांग की थी। कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

फैसले से महिला फुटबॉल टीम मायूस है। स्टार खिलाड़ी मेगन रैपिनो ने कहा कि कोर्ट के फैसले के बाद भी हम हार नहीं मानेंगे। समान वेतन की मांग को लेकर लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने ट्वीट कर कहा- फैसला हमारे पक्ष में नहीं है। लेकिन, हम नहीं रुकेंगे। बल्कि संघर्ष जारी रहेगा। टीम की प्रवक्ता मॉली लेविन्सन ने कहा- कोर्ट के फैसले से निराश हैं। लेकिन, लड़कियों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

महिला फुटबॉल टीम ने चार बार वर्ल्ड कप जीता है। पुरुष टीम एक बार भी चैम्पियन नहीं बन पाई है। महिला टीम ने 1991 में पहली बार फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद 1999, 2015 और 2019 में भी टीम विश्व चैम्पियन बनी।

**2019 में वर्ल्ड कप जीतने पर 45 करोड़ रुपए मिले:** अमेरिका की महिला टीम को 2019 में वर्ल्ड कप जीतने पर इनाम के तौर पर 45 करोड़ रुपए मिले थे। जबकि 2018 में वर्ल्ड कप जीतने वाली फ्रांस की पुरुष टीम को 286 करोड़ रूपए और 2014 में विश्व चैम्पियन बनने वाले जर्मनी को 262 करोड़ रुपए मिले थे। जो अमेरिका की महिला टीम को मिली इनामी राशि से करीब 6 गुना है।

# इंग्लैंड-श्रीलंका टेस्ट सीरीज जनवरी में होगी : एसएलसी

कोलंबो ■ एजेंसी

श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी एश्ले डि सिल्वा ने कहा है कि अब इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज अगले साल की शुरूआत में होगी। इससे पहले कोरोना वायरस संक्रमण के कारण इंग्लैंड का श्रीलंका दौरा बीच में ही रोक दिया गया था। दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी थी पर पहले की अभ्यास मैच को बीच में छोड़कर इंग्लैंड टीम को वापसी बुला लिया गया था। सिल्वा के अनुसार इस सीरीज को अगले साल जनवरी में रखा गया है। इंग्लैंड टीम मार्च में करीब 10 दिन श्रीलंका में थी। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते खतरे के बीच दोनों ही टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज को स्थगित कर दिया गया था। डि सिल्वा ने कहा, 'अभी जो दौरे स्थगित हुए हैं उन्हें नये कार्यक्रम के अनुसार आयोजित करने के प्रयास होंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज अगले साल की शुरूआत में ही होगी। हालांकि अभी तक तारीखों को अंतिम रुप नहीं दिया जा सका है। हम सभी मैचों के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। साथ ही कहा कि इंग्लैंड को जनवरी में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा करना है, ऐसे में देखना होगा कि वो श्रीलंका का दौरा किस समय करते हैं।

# संदीप कुमारी को वाडा ने 4 साल के लिए बैन किया 2 साल पहले देश की डोपिंग लैब ने क्लीन चिट दी थी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

डिस्कस थ्रो की महिला खिलाड़ी संदीप कुमारी को वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी(वाडा) की एथलेटिक्स इंटिग्रिटी यूनिट ने डोप टेस्ट में फेल होने पर 4 साल के लिए बैन कर दिया है। दो साल पहले नेशनल डोप टेस्टिंग लेबोरेटरी (एनडीटीएल) ने उनके नमूने को सही पाया था। लेकिन जांच के दौरान एनडीटीएल खून में प्रतिबंधित स्टेरॉयड का पता नहीं लगा पाई। नाडा ने इस महिला एथलीट का सैम्पल जून 2018 में गुवाहाटी में हुई इंटर स्टेट नेशनल चैम्पियनशिप के दौरान लिया था। इसमें कुमारी ने 58.41 मीटर की दूरी तक चक्का फेंकते हुए गोल्ड जीता था। इसके बाद वाडा ने नवंबर 2018 में कनाडा के मॉन्ट्रियल स्थित लेबोरेटरी में संदीप का सैम्पल दोबारा जांचने का फैसला किया। इस जांच में उनके शरीर में प्रतिबंधित स्टेरॉयड मेटेनोलोन मिला। कुमारी ने 26 जून से 21 नवंबर 2018 के बीच जिस भी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था, उसके नतीजों को रद्द कर दिया जाएगा।

### संदीप कुमारी पर लगा बैन 2018 से लागू होगा

वाडा ने शुक्रवार रात को बताया कि कुमारी पर लगा 4 साल का बैन 26 जून, 2018 से ही लागू होगा। क्योंकि इसी दिन जांच के लिए उनका सैम्पल लिया गया था। केवल इस महिला एथलीट का ही नहीं, बल्कि एनटीडीएल लैब में भेजी गई 4 अन्य एथलीट्स के सैम्पल की रिपोर्ट भी निगेटिव आई थी। लेकिन जब मॉन्ट्रियल के लैब में इनके नमूनों का परीक्षण किया गया था तो सबकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसमें झूमा खातून नाम की एक एथलीट भी शामिल हैं, जिसे पिछले महीने ही 4 साल के लिए बैन किया गया है।

# पीसीबी के वकील रिजवी पर भड़के अख्तर, अपने बयान पर कायम हूं

लाहौर ■ एजेंसी

पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर शोएब अख्तर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के कानूनी सलाहकार तफज्जुल रिजवी को करारा जवाब देते हुए कहा कि वह अपने बयान पर कायम हैं। इससे पहले रिजवी ने अख्तर के बयान को आपत्तिजनक बताते हुए उनके खिलाफ मानहानि का दर्ज किया था। इसके बाद शोएब ने एक और बयान जारी किया है। उन्होंने कहा, जो मैंने कहा था उस बयान पर कायम हूं। रिजवी की नोटिस मिल गई है मुझे। इसका जवाब दिया जाएगा। कोर्ट की नोटिस की जानकारी देते हुए उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा, मुझे रिजवी से एक नोटिस मिली है, जो झूठ पर आधारित है। मैंने सलमान नियाजी को अपना वकील चुना है, जो उस नोटिस के लिए मेरी ओर से कानूनी जवाब देंगे। मैं रिजवी की अक्षमता और असंतोषजनक प्रदर्शन के बारे में दिये गये अपने बयान पर अब भी कायम हूं। इससे पहले शोएब ने कानून विभाग को नीच बताते हुए उसके अधिकारी को जमकर कोसा था। उन्होंने कहा, 'बोर्ड का कानून विभाग तो नालायक और नीच है। रिजवी जैसा वकील पता नहीं कहां से आ जाता है। पिछले 10-15 सालों से पीसीबी के साथ है और वह हर केस हारा है।' उन्होंने आगे कहा था, यहां तक कि मुझसे भी हारा हुआ है। उसने अफरीदी और यूनिस खान को भी अदालत में घसीटा था। उसे बता होना चाहिए कि स्टार बहुत कम पैदा होते हैं। वहीं पीसीबी ने भी अख्तर के इस बयान को गैरजरुरी बताते हुए कहा कि इस प्रकार की बातों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

**लॉकडाउन 3** टिकट बुक करने या ट्रेन से यात्रा करने के उद्देश्य से कोई भी व्यक्ति किसी भी रेलवे स्टेशन पर न आएः रेलवे

# अब 17 मई तक नहीं चलेंगी यात्री ट्रेनें, सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर भी रहेगी रोक, आदेश जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देशव्यापी लॉकडाउन की अवधि 17 मई तक के लिए बढ़ा दी गई है। शनिवार को रेलवे मंत्रालय की ओर से जारी ट्वीट में यह साफ कह दिया गया है कि 17 मई तक यात्री ट्रेनें नहीं चलेंगी। मंत्रालय ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा 'सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि भारतीय रेल ने उपनगरीय ट्रेनों सहित सभी नियमित यात्री ट्रेनों के रद्दीकरण को 17 मई 2020 तक बढ़ा दिया है। इस दौरान टिकट बुक करने या ट्रेन से यात्रा करने के उद्देश्य से कोई भी व्यक्ति किसी भी रेलवे स्टेशन पर न आए। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सभी नियमित घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध 17 मई तक बढ़ा दिया है। डीजीसीए ने आज एक सर्कुलर जारी कर कहा कि सरकार ने पूरे देश में लॉकडाउन की अवधि 17 मई तक बढ़ा दी है।

इसे देखते हुये घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संबंध में पहले जारी सर्कुलर अब 17 मई की रात 11.59 बजे तक प्रभावी रहेंगे। मालवाहक विमानों तथा विशेष अनुमति प्राप्त यात्री विमानों पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होंगे। महानिदेशालय ने कहा है कि देश में विमान सेवा देने वाली सभी स्वदेशी तथा विदेशी कंपनियों को उड़ानें शुरू करने के बारे में पूर्व सूचना दी जाएगी ताकि वे जरूरी तैयारी कर सकें।

### अनुरोध पर चलेंगी श्रमिक स्पेशल

बता दें कि इस दौरान अलग-अलग राज्यों में फंसे मजदूरों, तीर्थयात्रियों, टूरिस्टों, छात्रों और अन्य लोगों को अपने राज्य पहुंचाने के लिए रेलवे ने 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेन चलेंगी। इसकी शुरूआत 1 मई से मजदूर दिवस के मौके पर की गई है। कल प्रधानमंत्री के साथ अहम बैठक के बाद गृह मंत्रालय ने रेलवे बोर्ड को स्पेशल ट्रेन चलाने की मंजूरी दी गई थी। हालांकि अब राज्य सरकारों पर रेलवे के साथ मिलकर अपने प्रदेश के फंसे हुए लोगों को लाने की जिम्मेदारी है।

### रेलवे राज्य सरकारों से लेगा किराया

बता दें कि श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से प्रवासी मजदूरों को लाने के लिए रेलवे राज्य सरकारों से किराया लेगा। इस संबंध में शुक्रवार को आदेश में कहा गया है कि किराए में स्लीपर श्रेणी में टिकट की कीमत, 30 रुपए का सुपरफास्ट शुल्क और प्रति यात्री भोजन तथा पानी के लिए 20 रुपए शामिल होंगे। शुक्रवार को गृह मंत्रालय ने इस बारे में आदेश जारी कर दिए। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार सुबह देशभर के कोरोना जोन की स्थिति के बारे में बताया था।

# बायजू 75 हजार करोड़ वैल्यूशन वाली कंपनी बन सकती है मार्च के दौरान कंपनी ने 60 लाख नए छात्रों को जोड़ा

- इस साल फरवरी में फंडरेजिंग के दौरान इसका वैल्यूशन करीब 8.2 बिलियन डॉलर था
- फरवरी में जनरल अटलांटिक और टाइगर ग्लोबल से लगभग 400 मिलियन डॉलर जुटाए थे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोनावायरस की वजह से कई कंपनियों को बिजनेस में भारी नुकसान हुआ है, तो दूसरी तरफ कई कंपनियों को इसका फायदा भी मिल रहा है। पेटीएम और ओयो के बाद एडुटेक यूनिकॉर्न बायजू भी डेकाकॉर्न क्लब में शामिल हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी नया फंड जुटा रही है, जिससे इसकी वैल्यूशन 10 बिलियन डॉलर (करीब 75 हजार करोड़ रुपए) हो जाएगी। यदि ये डील हो जाती है तब बेंगलुरु स्थित इस कंपनी के वैल्यूशन में 20 प्रतिशत का उछाल आएगा, जो इस साल फरवरी में फंडरेजिंग के दौरान करीब 8.2 बिलियन डॉलर (करीब 62 हजार करोड़ रुपए) था। टेकक्रंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक बायजू ने इस प्रक्रिया के तहत लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3 हजार करोड़ रुपए) जुटाएगी। जिसमें जनरल अटलांटिक और टाइगर ग्लोबल की भागीदारी पहले ही देखी जा चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी बातचीत पूरी तरह फाइनल नहीं हुई है। इसमें शर्तें बदल सकती हैं।

### मार्च के ट्रैफिक में रिकॉर्ड 150 प्रतिशत की ग्रोथ

बायजू क-12 लर्निंग कैटेगरी को ऑपरेट करती है, और पिछले कुछ सालों से विदेशी बाजारों ज्यादा अवसर खोज रही है। हालांकि, लॉकडाउन ने कई कंपनियों को अपने कार्यों को अस्थायी तौर पर रोकने के लिए मजबूर कर दिया है। एडूटेक फर्म अपने मोजो को बनाए रखने के लिए नए तरीके तलाश रही है और बाइजू सबसे आगे चलने वालों में से एक है। कंपनी के मुताबिक, मार्च में उसके ट्रैफिक में रिकॉर्ड 150 प्रतिशत की ग्रोथ हुई। इस दौरान उसने 6 मिलियन (60 लाख) नए छात्रों को जोड़ा।

# स्पोर्ट्स सेक्टर को 90 हजार करोड़ रु. के नुकसान का अनुमान, बिना दर्शकों के बेसबॉल लीग होने पर भी रोज 15 हजार करोड़ रुपए की कम होगी कमाई

- वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ने शटडाउन की वजह से मेजर स्पोर्ट्स और कॉलेज लीग को होने वाले नुकसान पर एक रिपोर्ट तैयार की है
- लॉकडाउन की वजह से यूएस प्रो स्पोर्ट्स को करीब 41 हजार 250 करोड़, जबकि कॉलेज स्पोर्ट्स को 29 हजार 250 करोड़ के राजस्व का नुकसान

वाशिंगटन ■ एजेंसी

कोरोनावायरस की वजह से अमेरिका के स्पोर्ट्स सेक्टर को बड़ा नुकसान होने की आशंका है। ईएसपीएन की रिपोर्ट के मुताबिक, शटडाउन के कारण देश के 100 बिलियन डॉलर( 7 लाख 54 हजार करोड़) वाले स्पोर्ट्स सेक्टर को करीब 12 बिलियन डॉलर ( 90 हजार 491 करोड़) का नुकसान होगा। वहीं, बिना दर्शकों के बेसबॉल लीग होने पर रोज 15 हजार करोड़ रु. की कमाई कम होगी। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी में स्पोर्ट्स बिजनेस प्रोग्राम डायरेक्टर पैट्रिक रिशे ने यह रिपोर्ट बनाई है। इसमें उन्होंने शटडाउन की वजह से देश के मेजर स्पोर्ट्स और कॉलेज लीग को होने वाले नुकसान का अध्ययन किया है। स्टडी के मुताबिक, लॉकडाउन की वजह से यूएस प्रो स्पोर्ट्स को करीब 5.5 बिलियन डॉलर ( 41 हजार 250 करोड़) जबकि कॉलेज से जुड़ी स्पोर्ट्स लीग को 3.9 बिलियन डॉलर (29 हजार 250 करोड़) के राजस्व का नुकसान होगा। नेशनल फुटबॉल लीग यानी एनएफएल के रद्द होने पर यह नुकसान और बढ़ जाएगा। इसमें बड़े खिलाड़ियों को दी जाने वाली सैलरी के अलावा स्टेडियम में काम करने वाले कर्मचारियों की तनख्वाह भी शामिल है। हालांकि, रिपोर्ट में नुकसान का आकलन कम किया गया है, क्योंकि इसमें गैम्बलिंग (जुआ), आउटडोर स्पोर्ट्स, गोल्फ, टेनिस और नैसकार जैसी ऑटो रेसिंग इवेंट के रद्द या टलने से होने वाले आर्थिक नुकसान को नहीं जोड़ा गया है। लॉकडाउन की वजह से पूरे अमेरिका में खेल गतिविधियां ठप हैं। ऐसे में टिकटों से होने वाली कमाई पर भी असर पड़ा है। अकेले प्रो स्पोर्ट्स लीग में दर्शकों द्वारा टिकटों और बाकी चीजों पर खर्च की जाने वाली करीब 3.25 बिलियन डॉलर( 24 हजार 375 करोड़) की राशि का नुकसान होगा।

### बिना दर्शकों के बेसबॉल लीग होने पर भी बड़ा नुकसान

नेशनल फुटबॉल लीग के रद्द होने से टीवी राइट से होने वाली 11.5 बिलियन डॉलर(86 हजार 250 करोड़ रुपए) की कमाई भी नहीं होगी। अगर मेजर लीग बेसबॉल का आधा सीजन बिना दर्शकों के भी खेला जाता है तो भी मैच के दौरान एक दिन में दर्शकों द्वारा खर्च की जाने वाली 2 बिलियन डॉलर (15 हजार करोड़ रुपए) की राशि का नुकसान होगा।

### 30 लाख नौकरियों पर भी संकट

अमेरिका में करीब 30 लाख नौकरियां स्पोर्ट्स सेक्टर से जुड़ी हैं। इसमें ट्रेनर, गार्ड, स्काउट शामिल हैं। शटडाउन बढ़ने का इस पर भी असर पड़ेगा। रिशे ने कहा कि बतौर इकोनॉमिस्ट हम कुछ नहीं कर सकते। जिस तरह का नुकसान कोरोना की वजह से हुआ है, वो हैरान करने वाला है। क्योंकि आज से पहले हमने ऐसा कुछ नहीं देखा।

### मेजर सॉकर लीग के खिलाड़ियों की ट्रेनिंग बुधवार से शुरू होगी

इधर, मेजर लीग सॉकर को लेकर अच्छी खबर आई है। लीग में शामिल खिलाड़ी अगले हफ्ते बुधवार से प्रैक्टिस शुरू कर सकेंगे। हालांकि, इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का नियमों का पालन करना होगा। मैदान को चार अलग-अलग हिस्सों में बांटा जाएगा। हर खिलाड़ी अपने जोन में ही रहेगा। इससे पहले एनबीए ने भी खिलाड़ियों को व्यक्तिगत ट्रेनिंग की मंजूरी दी है।

# डॉ. सिकरवार ने वार्ड 20 एवं 21 में करीब 2600 परिवारों को राशन वितरण किया

**ग्वालियर।** गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से आज करीब 2600 गरीब परिवारों को न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री का वितरण किया। यह वितरण नगर निगम के वार्ड क्रमांक 20 के कुषवाह मौहल्ला कुषवाह मौहल्ला गोर्वधन कॉलोनी एवं सम्पूर्ण आस-पास का क्षेत्र और वार्ड 21 के जाटव मौहल्ला दुल्लपुर, माहौर मौहल्ला दुल्लपुर, कुषवाह मौहल्ला दुल्लपुर, मेला दुल्लपुर, नारायण विहार कॉलोनी, नारायण विहार के पीछे झुग्गी झोपडी, विवेक नगर, न्यू विवेक नगर, सिद्धार्थ नगर एवं अन्य क्षेत्रों में किया गया। डॉ. सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री वितरण करते हुये कहा कि पूरे देष में डॉक्टर एवं पुलिस कर्म योद्धा बनकर दिन-रात लोगों का जान बचाने और वायरस को फैलने से रोक रह है। इस सकंट के समय में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार आपकी सहायता के लिए 24 घण्टे कार्य कर रही है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि इस संकट की घड़ी में आप लोगों को किसी भी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं आप लोगों को सरकार द्वारा जरूरत की हर वस्तु मुहैया कराई जायेगी। यह

कोरोना वायरस का संकट हमारे भारत देष में ही नही ब्लकि पूरे विष्व में फैला हुआ है। दुनिया के सबसे षक्तिषाली देष भी इस वायरस के आगे घुटने टेक चुके है, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वक्त रहते ही देष को लॉकडाउन कर दिया। डॉ. सिकरवार ने कहा कि अगर देष को लॉकडाउन नही किया जाता तो आप लोग सोच भी नही सकते कि यह वायरस हमारे देष में कितनी तबाही मचाता और कितनी ही जिंदगीओं को निगल जाता है। मध्यप्रदेष के यसस्वी मुख्यमंत्री षिवराज सिंह चौहान जी प्रदेष की जनता को इस वायरस से बचाने की हरसंभव कोषिष कर रहे है और जनता की किसी तरह की तकलीफन हो इसके लिए भी कोषिष की जा रही है। डॉ. सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री वितरण करते हुय लोगों को कोरोना वायरस से बचने के उपायों के बारे में बताया। खाद्यय् वितरण करते हुये डॉ. सिकरवार के साथ वार्ड 20 पार्शद भूपेन्द्र मोगनिया, औतार सिंह कुषवाह, रामविलास सिंह, संजय चौहान, प्रकाष गुर्जर, मुकेष बरैया, संटू तोमर, संत सिंह सिकरवार, डॉ. अषोक राजपूत, सुनील रामपुरिया, रामसिंह दोहरे, पवन जैन, प्रमोद जैन, अवधेष कौरव, विजय बहादुर त्यागी, आषीश साहू, सुरेन्द्र साहू, कौषलेष कुषवाह, प्रदीप कुषवाह, अंकित कठठ्ल, गिरिष गुप्ता, राजेन्द्र राठी, गंगाराम प्रजापति, गणेष सोनी, रामकेष कौरव, अभय कुमार सिंह, लोकेन्द्र प्रजापति, भुवनेष सारस्वत आदि मौजूद रहे।

# प्रतिदिन 300 से 500 गरीब मजदूरों खाना बनाकर विभिन्न स्थानों पहुंचाया

अमित शर्मा रिपोर्टर

कुंज विहार फेस टू में 25 अप्रैल से रोजाना प्रतिदिन सुबह-करीब 300 से 500 गरीब मजदूरों खाना बनाकर विभिन्न स्थानों पर जैसे यादव धर्म कांटा के पास पिंटू पार्क टंकी, दीनदयाल नगर झुग्गी झोपड़ी एवं भिंड रोड पर रह रहे मजदूरों को खाना खिलाया जाता है जिसमें आज मुख्य रूप से क्षत्रिय महासभा के रास्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री सुरेंद्र सिंह तोमर जी. वार्ड 19 पार्षद श्री बलबीर सिंह तोमर जी प्रदेश अध्यक्ष श्री सत्येंद्र सिंह भदोरिया (लवली) जिला अध्यक्ष ग्वालियर श्री रामकुमार सिंह सिकरवार जी संभागीय अध्यक्ष श्री जितेंद्र सिंह कुशवाह जी ओमेंद्र सिंह कुशवाह जी जिला उपाध्यक्ष श्री अरविन्द सिंह तोमर जी जिला महामंत्री श्री वीरेन्द सिसोदिया जी.जिला मंत्री एवं कॉलोनी अध्यक्ष श्री धर्मराज सिंह तोमर जी गोपीचंद शर्मा, विद्याराम शर्मा ,अशोक गुप्ता, रामलक्ष्य शर्मा.हरिशंकर राठौर,सुखदेव भदौरिया दिनेश भदौरिया राकेश चंद्र राठौर रामेश्वर कौरव आदि समाजसेवी उपस्थित रहे।

## 4 व 5 मई को इन वार्डों की उचित मूल्य की दुकानों से वितरित होगा खाद्यान्न

**ग्वालियर।** शासन के निर्देशानुसार ग्वालियर नगर के 66 वार्डों में लॉकडाउन के दौरान चरणबद्ध रूप से शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। 4 व 5 मई 2020 को नगर के वार्ड क्रमांक-5, 6, 18, 20, 35, 42 तथा 64 में स्थित सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न वितरण किया जायेगा। अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह ने बताया कि उक्त वार्डों की उचित मूल्य की दुकानों से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत ऐसे हितग्राहियों को खाद्यान्न प्रदान किया जा रहा है जो बीपीएल एवं पात्रता पर्ची वाले हितग्राही तथा संबंधित शासकीय उचित मूल्य की दुकान से नियमित रूप से राशन प्राप्त करते हैं। उन्हें योजना के तहत वार्ड की सभी उचित मूल्य की दुकानों से वितरण किया जा रहा है। कोरोना वायरस (कोविड-19) के तहत खाद्यान्न का वितरण वार्ड की चिन्हित एक दुकान से शासन से प्राप्त सूची के अनुरूप वार्ड के हितग्राहियों को प्रदाय किया जायेगा। प्राप्त सूची संबंधित दुकान पर चस्पा कर प्रदर्शित की जायेगी तथा संबंधित क्षेत्र के पूर्व पार्षद को भी दी जायेगी। जिससे प्राप्त सूची के अनुरूप हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त हो सकें।

# गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री पहुँचे जरूरतमंदों के बीच और बांटी राहत सामग्री

**ग्वालियर।** गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा आज दतिया

विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों ओरीना, सिजोरा, कुरथरा, चोपरा और पलोथर में जरूरतमंदों के बीच पहुचें, जहां उनके हालचाल पूछे और उन्हें राहत सामग्री वितरित की। गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री ने दतिया नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष श्री पंकज शुक्ला के निवास पर पहुंचकर समाजसेवियों से मुलाकात की और जौली शुक्ला एवं रिंकू बुंदेला की समाजसेवी टीम से भी मुलाकात की। आपने समाजसेवी अमित महाजन, दीपू सचदेवा, अरूण तिवारी एवं उनकी समाजसेवी टीम के द्वारा गोविंदपुर डेरा पर पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों को राहत सामग्री का वितरण किया। आपने श्रीमती मीनाक्षी कटारे एवं उनकी टीम के द्वारा सेवढ़ा चुंगी आदिवासी बस्ती में राहत सामग्री का वितरण किया। आपने लॉकडाउन में गरीबों को खाना बांटने वाले समाजसेवियों से बातचीत में पूछा कि उन्हें किसी तरह की कोई परेशानी तो नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को कोई परेशानी हो, तो बताएं। उन्होंने कर्मवीर योद्धाओं से कहा कि आप स्वयं सजग रहें ओर लोगों को जागरूक करें कि वे अपने घरों पर रहें। उन्होंने इस दौरान शारीरिक दूरी बनाए रखने हेतु लोगों का आव्हान किया।

# निर्धारित समय से पूर्व दुकान बंद करने पर दुकान निलंबित

## आपूर्ति अधिकारी ने नोटिस जारी किए

**ग्वालियर।** ग्वालियर नगर के वार्ड-19 में उपभोक्ताओं को राशन वितरण हेतु 2 व 3 मई को प्रातः 8 बजे से दोपहर 4 बजे तक शासकीय उचित मूल्य की दुकान विजय प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार क्र.-227 विक्रेता को जिला प्रशासन ने खोलने के निर्देश दिए थे। लेकिन उचित मूल्य की दुकान दोपहर 2 बजे ही बंद पाए जाने पर कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने दुकान को निलंबित कर संबंधित क्षेत्रीय अधिकारी एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने 2 व 3 मई 2020 को वार्ड क्रमांक-1, 4, 19, 25, 34, 43 एवं वार्ड-61 में संचालित उचित मूल्य की दुकानों को प्रातः 8 बजे से दोपहर 4 बजे तक खोलकर कोविड-19 सहायता एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत हितग्राहियों को चावल वितरण करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन शासकीय उचित मूल्य दुकान विजय प्राथमिक उपभोक्ता भंडार क्र.-227 के सेल्समेन द्वारा निर्देशों का उल्लंघन करने के कारण कलेक्टर द्वारा उक्त उचित मूल्य की दुकान को निलंबित कर संबंधित क्षेत्र के परियोजना अधिकारी एवं सहायक आपूर्ति अधकारी श्री आर एस धाकरे को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं।

# मिलकर कर रहे जरूरतमंदों की मदद, पार्षद बलबीर तोमर ने किया उत्साहवर्धन

कृतिका राठौड़

**ग्वालियर।** कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बाद देश भर में लॉकडाउन 3 जारी है। लॉकडाउन के चलते कई दिहाड़ी मजदूर, गरीब वर्ग के लोग परेशान हैं। ऐसे में वार्ड 19 के कुंज विहार कॉलोनी फेस-2 के लोग मिलकर लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद लोगों को लगातार खाद्य सामग्री वितरित कर राहत पहुंचा रहे हैं। अब क्षेत्रीय लोगों ने मिलकर निर्णय लिया है कि लॉकडाउन रहने तक जरूरतमंदों को सूखा राशन वितरित किया जाएगा। इससे पहले लॉकडाउन 2 के दौरान कॉलोनीवासियों ने रोज 500 लोगों को भोजन वितरित करने का संकल्प लिया था, जो सभी के सहयोग से सफल रहा।

क्षेत्रीय पार्षद बलबीर सिंह तोमर ने इस पुनीत कार्य के लिए कर्मवीरों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही उनके साथ मिलकर पूड़ियां

भी सेंकी। इस दौरान श्री तोमर ने कहा कि आप लोग लगातार गरीब मजदूरों से मिलकर उनकी परेशानियों को कम करते हुए भोजन सामग्री उपलब्ध करा रहें हैं। अपने क्षेत्र के परेशान गरीब लोगों की जानकारी लेकर उनकी हरसंभव मदद की कोशिश कर रहें हैं। इसके लिए मैं आप सभी का कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं। इस दौरान दिनेश भदौरिया, लेफ्टिनेंट श्री राठौर, धर्मराज सिंह तोमर (अध्यक्ष), विद्याराम शर्मा, गोपीचन्द्र शर्मा, विजेन्द्र सिंह सिसौदिया, अशोक गुप्ता, अशोक श्रीवास्तव, रामेश्वर कौरव, योगेन्द्र कौरव, योगेन्द्र भदौरिया, श्याम सिंह कुशवाह, अरविंद तोमर, हेमराज गायकवाड़, रामलब्ध शर्मा, हरीशंकर राठौर, रिन्कू एवं समस्त कुंज विहार फेस-2 के लोग उपस्थित रहे। इस दौरान पार्षद बलबीर सिंह तोमर ने सभी लोगों से मुंह पर मास्क लगाने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील की। पार्षद श्री तोमर ने माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के एक मीटर की दूरी के संदेश को भी दोहराया।

# शैवाल सत्यार्थी जी की आत्मकथा पर सीरीज़ की हुई शुरुआत

## यूट्यूब पर पहला एपिसोड हुआ रिलीज़

कृतिका राठौड़

**ग्वालियर /** साहित्य सेवी सम्मान से सम्मानित अटल बिहारी वाजपेयी के बचपन के मित्र और ग्वालियर के वरिष्ठ साहित्यकार शैवाल सत्यार्थी जी की आत्मकथा पर सीरीज़ का प्रसारण रविवार शाम 6 बजे यूट्यूब चैनल- आर्टिस्ट्स- द श्री ए. एम. क्लब पर हुआ, इस सीरीज़ का एक मिनिट का टीज़र शुक्रवार को यूट्यूब पर रिलीज़ किया गया था। पहले एपिसोड में शैवाल सत्यार्थी जी के जन्म, बचपन, राजनीति, आंदोलन और उनकी अभिनय के प्रति दीवानगी के बारे में बताया गया । इस सीरीज़ का नाम कहानी शैवाल की है । यह सीरीज़ शहर के युवा कवि शिवम सिंह सिसौदिया होस्ट कर रहे हैं । पुष्पांजलि टुडे से चर्चा के दौरान शिवम सिंह सिसौदिया ने बताया कि यह आत्मकथा सीरीज़ शैवाल सत्यार्थी जी के बचपन से लेकर अब तक के सफर और रोचक पहलुओं से दर्शकों को रूबरू करवायेगी। यह सीरीज़ ग्वालियर शहर और साहित्य जगत से जुड़े लोगों को बहुत पसंद आयेगी। सीरीज़ में सत्यार्थी जी के जीवन के राजनीति, साहित्य, आंदोलन तथा अभिनय आदि पहलुओं को भी छुआ जायेगा। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और महाकवि डॉ. हरिवंश राय बच्चन जी से शैवाल सत्यार्थी जी के खास संबंध रहे हैं । जहाँ अटल जी शैवाल सत्यार्थी जी के पड़ोसी और बचपन के मित्र रहे हैं तो वहीं बच्चन जी शैवाल जी को अपना धर्मपुत्र मानते थे । वर्तमान समय में सत्यार्थी जी सनातन धर्म मंदिर स्थित राधा कुटीर में साहित्य संसद की गोष्ठी का आयोजन और संचालन करते हैं और यह क्रम वर्षों से चल रहा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478